जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

अजमेर, शनिवार 29 जून, 2024

श्री नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

मोदी की गारंटी
भजनलाल सरकार कर रही साकार

श्री भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री

युवाओं के लिए खुल रहे अवसरों के द्वार

मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव

मुख्य समारोह

29 जून, 2024 I प्रातः 11:00 बजे

टैगोर इंटरनेशनल स्कूल ऑडिटोरियम, मानसरोवर, जयपुर

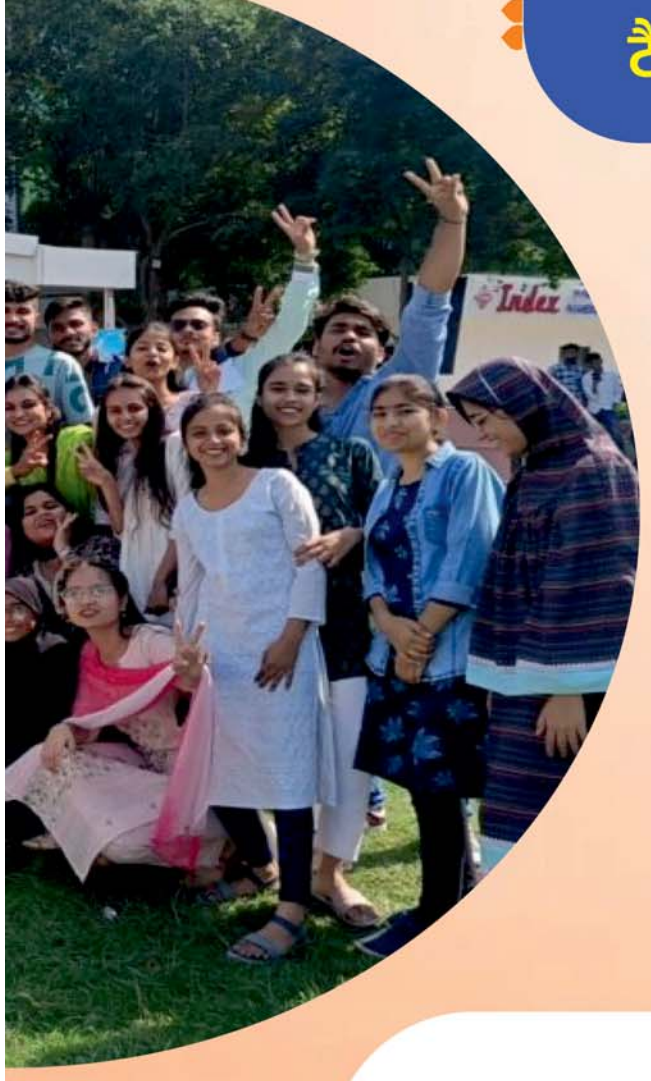

मुख्य अतिथि

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

अध्यक्षता

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़
माननीय मंत्री, कौशल,
नियोजन एवं उद्यमिता विभाग

विशिष्ट अतिथि

श्री मदन दिलावर
माननीय मंत्री,
शिक्षा एवं पंचायती राज विभाग

श्री गजेन्द्र सिंह खींवसर
माननीय मंत्री,
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग

श्री के.के. विश्नोई
माननीय राज्यमंत्री, कौशल,
नियोजन एवं उद्यमिता विभाग

राज्य एवं जिला स्तरीय रोजगार उत्सवों का निरंतर आयोजन

प्रथम रोजगार उत्सव में **20 हजार** से अधिक नवनियुक्त राज्य कार्मिक शामिल

नवनियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र एवं संवाद कार्यक्रम

"राज्य सरकार युवाओं के सपनों को साकार करने और उनके सुनहरे भविष्य के निर्माण के लिए दृढ़ संकल्पित होकर कार्य कर रही है। पारदर्शी, निष्पक्ष एवं समयबद्ध तरीके से भर्ती प्रक्रियाओं को पूर्ण कर सरकारी नौकरियों के रिक्त पदों को भरना हमारी मुख्य प्राथमिकता है। पेपर लीक जैसी घटनाओं को रोकने के लिए राज्य सरकार सख्ती से कार्यवाही कर रही है।"

- भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान

कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

विचार बिन्दु

यदि किसी को भी भूख-प्यास नहीं लगती, तो अतिथि सत्कार का अवसर कैसे मिलता। –विनोबा

बंजर होने से बचानी होगी कृषि भूमि

उपजाऊपन की दृष्टि से सबसे व्यर्थ जमीन को बंजर भूमि कहा जाता है। मरुस्थलीकरण तेजी से फैल रहा है, मिट्टी की उर्वरता लगातार घटती जा रही है। ऐसे में बंजर भूमि का बढ़ना एक चुनौती बनती जा रही है। भूमि के बंजर होने की समस्या ने आज दुनिया के सामने एक बड़ी चुनौती पैदा कर दी है। भारत की बात करें तो यहां उपजाऊ भूमि के बंजर होने का खतरा निरंतर बढ़ता ही जा रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में मात्र 11 प्रतिशत जमीन ही उपजाऊ है। मरुस्थलीकरण का क्षेत्रफल बढ़ता जा रहा है। भारत में कुल 32 करोड़ 90 लाख हेक्टेयर जमीन में से 12 करोड़ 95 लाख 70 हजार हेक्टेयर भूमि बंजर बताई जा रही है। बंजरपन का रकबा साल दर साल बढ़ता ही जा रहा है जिसे सख्ती से रोका नहीं गया तो देश में अनाज का संकट खड़ा हो सकता है। कृषि भूमि का मरुस्थलीकरण और बंजर होने का खतरा धीरे-धीरे करीब एक अरब लोगों की जिंदगी के लिए खतरा बन चुका है। इसी के साथ लाखों तरह की वनस्पति प्रजातियों के भी विलुप्तिकरण का खतरा बन चुका है। खेती पर निर्भर लोग पलायन को मजबूर हैं। अनुमान यह है कि इस सदी के मध्य तक धरती की एक चौथाई मिट्टी बंजर हो चुकी होगी। अभी से इसकी चिंता ना की गई तो, यह संकट बड़े मानवीय संकट में बदल सकता है।

जलवायु परिवर्तन सहित सूखा, बाढ़,जहरीले कीटनाशकों के तेजी से इस्तेमाल, वनों की कटाई, अधिक चराई, खराब सिंचाई और अत्यधिक जल दोहन के कारण भू-जल स्तर में निरंतर गिरावट आने से उपजाऊ धरती मरुस्थल का रूप धारण करती जा रही है। विश्व के समक्ष यह एक बड़ी समस्या है जो दिन प्रतिदिन गहराती जा रही है। हमारे लाख प्रयासों के बावजूद मरुस्थल का फैलाव रोका नहीं जा सका है। इस समस्या की जड़ में एक वजह मानवजनित कारणों को बताया जा रहा है।

नीति आयोग के अनुसार भारत में 67.30 लाख हेक्टेयर भूमि कृषि योग्य भूमि में शर्तिया और लवणता बढ़ने के कारण यह भूमि बंजर हो चुकी है। इस बंजर भूमि में से लगभग 37.70 लाख हेक्टेयर भूमि क्षारीय है। और 29.60 लाख हेक्टेयर भूमि लवणीय है। अभी तक इस बंजर भूमि में लगभग 20 लाख हेक्टेयर क्षारीय भूमि को और लगभग 70 हजार हेक्टेयर लवणीय भूमि को फिर से उपजाउ बनाया जा चुका है। बचे हुए बंजर भूमि को फिर से उपजाऊ बनाने के प्रयास किया जा रहे हैं, लेकिन यह एक बड़ी चुनौती है।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया हर साल 24 अरब टन उपजाऊ भूमि खो देती है। भूमि की गुणवत्ता खराब होने से राष्ट्रीय घरेलू उत्पाद में हर साल आठ प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। भूमि क्षरण और उसके दुष्प्रभावों से मानवता पर मंडराते जलवायु संकट के और गहराने की आशंका है। मरुस्थलीकरण, भूमि क्षरण और सूखा बड़े खतरे हैं जिनसे दुनिया भर में लाखों लोग, विशेषकर महिलाएं और बच्चे, प्रभावित हो रहे हैं। इससे निपटने के लिए वैश्विक प्रयासों की महती जरुरत है। मरुस्थल या रेगिस्तान ऐसे भौगोलिक क्षेत्रों को कहा जाता है जहां जलपात (वर्षा तथा हिमपात का योग) अन्य क्षेत्रों की अपेक्षा काफी कम होती है। मरुस्थलीकरण की परिभाषा के अनुसार यह जमीन के खराब होकर अनुपजाऊ हो जाने की ऐसी प्रक्रिया है जिसमें जलवायु परिवर्तन तथा मानवीय गतिवधियों समेत अन्य कई कारणों से शुष्क, अर्द्ध-शुष्क और निर्जल अर्ध-नम इलाकों की जमीन रेगिस्तान में बदल जाती है। इससे जमीन की उत्पादन क्षमता में कमी और ह्रास होता है। एशियाई देशों में मरुस्थलीकरण पर्यावरण सम्बन्धी एक प्रमुख समस्या है।

भारत में कुल भूमि क्षेत्रफल करीब 329 मिलियन हेक्टेयर है। इसमें खेती करीब 144 मिलियन हेक्टेयर में होती है, जबकि लगभग 178 मिलियन हेक्टेयर भूमि बंजर है। इसे सुधारने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। वहीं असिंचित एवं डूब से प्रभावित जमीन को भी खेती योग्य बनाया जा रहा है।

मरुस्थलीकरण शुष्क, अर्द्ध शुष्क और शुष्क उप-आर्द्र जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भूमि का क्षरण है। मुख्य रूप से, यह मानवीय गतिविधियों और फिर जलवायु परिवर्तन के कारण होता है। इसका मतलब मौजूदा रेगिस्तानों का विस्तार नहीं है, बल्कि यह शुष्क भूमि पारिस्थितिक तंत्र, वनों की कटाई, अधिक चराई, खराब सिंचाई कार्य प्रणाली आदि के कारण होता है जो भूमि की उत्पादकता को प्रभावित करता है।

भारत में कुल भूमि क्षेत्रफल करीब 329 मिलियन हेक्टेयर है। इसमें खेती करीब 144 मिलियन हेक्टेयर में होती है, जबकि लगभग 178 मिलियन हेक्टेयर भूमि बंजर है। इसे सुधारने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। वहीं असिंचित एवं डूब से प्रभावित जमीन को भी खेती योग्य बनाया जा रहा है। देश में करीब 71 लाख हेक्टेयर भूमि मृदा ऊसर से प्रभावित है। जबकि पूरे विश्व में यह आँकड़ा लगभग 9520 हेक्टेयर के करीब बताया जाता है। जो मृदा ऊसर से प्रभावित है, इसे भी खेती योग्य बनाने की कवायद चल रही है।

आँकड़े बताते हैं कि भारत में वर्ष 1951 में मनुष्य भूमि अनुपात 0.48 हेक्टेयर प्रति व्यक्ति है, जो दुनिया के न्यूनतम अनुपातों में से एक है। वर्ष 2025 में घटकर यह आंकड़ा 0.23 हेक्टेयर होने का अनुमान है। ऐसे में खेती की मृदा संरक्षण के जरिए एक बड़ी चुनौती से निबटा जा सकता है। ऐसे में उपजाऊ मिट्टी की सुरक्षा के साथ ही अनुपजाऊ मिट्टी को भी कृषि योग्य बनाया जा रहा है।

स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर (एसएसी) द्वारा मरुस्थलीकरण और भूमि की गुणवत्ता के गिरते स्तर पर बनाये देश के पहले एटलस के अनुसार भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र का तकरीबन 30 फीसदी हिस्सा मरुस्थल में तब्दील हो चुका है। इसके अलावा देश के 69 फीसदी हिस्से को शुष्क क्षेत्र के तौर पर वर्गीकृत किया गया है। देश के सामने उपजाऊ भूमि के क्षरण का यह एक बड़ा खतरा है जिसे रोकने के लिए सामूहिक प्रयासों की महती जरुरत है। देश में बढ़ रहे मरुस्थलीकरण के आंकड़े बेहद चौंकाने वाले है। बंजरपन बढ़ रहा है और साथ ही मिट्टी का कटाव भी बढ़ रहा है। देश का 30 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र मरुस्थलीकरण की चपेट में है। तीन मिलियन हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि पिछले 15 वर्षों में ख़राब हुई है। देश में प्रति मिनट 23 हेक्टेयर शुष्क भूमि सूखे और मरुस्थलीकरण की चपेट में आ जाती है जिसकी वजह से 20 मिलियन टन अनाज का संभावित उत्पादन प्रभावित होता है। देश का 70 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र शुष्क भूमि के रूप में है जबकि 30 प्रतिशत जमीन भूक्षरण और 30 प्रतिशत भूमि मरुस्थलीकरण की प्रक्रिया से गुजरती है। भारत सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएँ शुरू की गई हैं जैसे प्रधानमंत्री आवास बीमा योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना प्रति बूंद अधिक फसल, आदि। ये सब भूमि क्षरण को कम करने में मदद कर रहे हैं।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

पानी में मीन पियासी रे!

डॉ. रामावतार शर्मा

संयुक्त राज्य अमेरिका को विश्व का सबसे धनी देश माना जाता है। अमेरिका जाना और वहां जा कर अपना भाग्य चमकाना कितने ही लोगों का सपना है। परंतु कितने लोग हैं जो अमेरिका को तथ्यों पर परखने का प्रयास करते हैं? अभी इसी महीने अमेरिका की प्रसिद्ध पत्रिका टाइम में वहां के एक राज्य केण्टुकी के ग्रामीण इलाकों के बारे में लेख लिखा गया है जो एकदम चौंकाने वाला है। खास बात यह है कि यह लेख वहां की गोरी आबादी के बारे में लिखा गया है। लेख के अनुसार केण्टुकी के ग्रामीण अंचल का जीवन बड़ा कष्टपूर्ण है। इस राज्य की अधिकतर आबादी नशीली दवाओं, हिंसा, पुलिस कस्टडी आदि के चक्र में अपना जीवन बिताती नजर आती है। लेख में एक युवक ने अपने जीवन में इस तरह के वातावरण के कुप्रभावों का जिक्र किया है। 2024 में प्रकाशित एक अमेरिकी पुस्तक 'व्हाइट रूरल रेज' के अनुसार ग्रामीण अमेरिका वृहद अमेरिका के लिए एक बड़ा खतरा है क्योंकि ये असफल एवम मानसिक तौर पर अस्थिर लोग अतिवादी होते हैं और धुर दक्षिण पंथ की तरफ अग्रसर हो कर हिंसा फैलाते हैं। यहां लेखकों द्वारा लोगों को दोषारोपित करना उचित नहीं लगता क्योंकि लोग तो तंत्र के प्रभाव से सार्थक या निरर्थक जीवन की तरफ अग्रसर होते हैं।

इसके विपरीत यदि तथाकथित वामपंथी रूस की तरफ जाएं तो बोल्शेविक क्रांति ने आम नागरिक के जीवन को उठाने की बजाय अति धनी तथा प्रभावशाली ओलिगार्क प्रणाली को जन्म दिया जिसने आज के रूस को पूरी तरह से नियंत्रित कर रखा है। ये ओलिगार्क्स प्राचीन रूसी जार से भी अधिक एश-ओ-आराम का जीवन जी रहे हैं। एक अन्य उदाहरण में 1932-33 के यूक्रेनियन होलोडोमोर का है जो अत्याचारी स्टालिन के मनुष्य निर्मित महा अकाल के रूप में जाना जाता है। सामूहिक खेती के नाम पर सरकारी तंत्र ने मूर्खतापूर्ण तथा दमनकारी निर्णय ले कर यूरोप के इस अन्न भंडार माने जाने वाले क्षेत्र में ऐसी स्थिति पैदा कर दी थी जिसके फलस्वरूप लाखों लोग भूख से मर गए थे। आज फिर यूक्रेन का रूस से युद्ध जारी है। कई पश्चिमी विचारकों का मानना है कि युद्ध बंद होने के बाद रूस के ओलिगार्क्स की तरह यूक्रेन में भी यूरोपियन धन्नासेठ वहां के खेत खलिहानों पर कब्जा कर लेंगे और लोगों का जीवन कष्टदायक ही बना रहेगा।

इधर भारत में भी राष्ट्रीय संपदा गिने चुने औद्योगिक घरानों के हाथों में सिमटती जा रही है और स्थितियां इस तरह की बन रही हैं जहां छोटे एवम् मझोले उद्यमियों का टिका रह पाना कठिन होता जा रहा है। विश्व में हो रहे परिवर्तनों को हम नकार रहे हैं या फिर अनदेखा कर रहे हैं। इस नीति के परिणाम भविष्य में देखने पड़ सकते हैं परंतु तब तक बड़ा नुकसान हो चुका होगा। इतिहास इंगित करता है कि यदि 1940 में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल ने हिटलर के शांति प्रस्तावों को स्वीकार कर लिया होता तो न तो लाखों यहूदी मारे जाते, न आज का इजरायल अरब संघर्ष जन्म लेता और ना ही ब्रिटिश साम्राज्य का इतना शीघ्र पतन होता। वास्तविकता को नकारना, अनदेखा करना इसलिए विकसित होता है क्योंकि सरकार और वृहद समाज के बीच कोई संपर्क नहीं होता है। चंद जाति, नस्ल, स्थान एवम् धर्म विशेष के लोगों को सरकार या संगठन में स्थान देकर मान लिया जाता है कि सबकुछ ठीक हो जायेगा परंतु वास्तविकता में ऐसा होता नहीं है।

संचार क्रांति से देश दुनिया के विभिन्न लोग एक दूसरे के संपर्क में आने लगे हैं। ऐसे माहौल में बरगलाने और ध्यान भटकाने वाली नीतियों से अल्पकालीन फायदे तो हो सकता हैं परंतु दीर्घकाल में बिखराव की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। वृहद जनमानस समय-समय पर निरंकुशता के फन को कुचलता रहा है, शासक के दंभ अहंकार पर प्रहार करता रहा है परंतु अतिवादी दृष्टिकोण की अपनी शक्ति होती है जो किन्ही विशिष्ट परिस्थितियों में प्रचंड हो सकती है और जनतांत्रिक ताने बाने को नष्ट कर सकती। इसलिए बेहतर होगा कि देश की सरकार में बैठे लोगों का प्रथम उद्देश्य सत्ता में बने रहना मात्र नहीं होना चाहिए बल्कि लगातार बदलती स्थितियों को समझने के लिए व्यापक जनसंपर्क द्वारा लोगों की आवश्यकताओं और भावनाओं का विश्लेषण कर नीतियां निर्मित करनी चाहिए। शासन करना एक जटिल कार्य है इसलिए सत्ता के शिखर पर बैठे लोगों को बड़ी आलोचना सुनने के लिए अपने मानस पटल को खुला रखना चाहिए। जाति और धर्म के सहारे सत्ता में आए लोगों की सार्थक आलोचना भी एक खतरनाक कार्य होता है इसलिए आलोचक चुप हो जाते हैं। शासक भूल जाता है कि आलोचक ही वास्तविक मित्र होता है जबकि समर्थक तो लकीर के फकीर होते हैं जिनसे वोट तो मिलते हैं परंतु उनसे किसी मार्गदर्शन की आशा नहीं की जा सकती है।

–डॉ. रामावतार शर्मा,
(चिकित्सक एवं लेखक)

भारतीय साहित्य का अनुवाद चुनौतीपूर्ण : प्रो. ज्यांग जिंग खुई

हिन्दू कॉलेज में हिंदी विभाग द्वारा काव्यानुवाद की चुनौतियां विषय पर व्याख्यान आयोजित

दिल्ली। हिन्दू कॉलेज में हिंदी विभाग द्वारा "काव्यानुवाद की चुनौतियां" विषय पर व्याख्यान आयोजित हुआ। भारत का साहित्य अत्यंत विपुल और वैविध्यपूर्ण है, उसका चीनी भाषा में अनुवाद किसी चुनौती से कम नहीं है। सूरसागर, गोदान तथा शेखर एक जीवनी जैसी कृतियों का चीनी में अनुवाद करने वाले प्रसिद्ध विद्वान प्रो. ज्यांग जिंग खुई ने कहा कि भारत और चीन भले ही पड़ोसी मुल्क हैं किंतु उनकी संस्कृति और सभ्यता में बुनियादी फर्क है।

उदाहरण देते हुए प्रो. ज्यांग जिंग खुई ने कहा कि चीन के लोग भगवान पर नहीं बल्कि खुद पर, अपने माता-पिता और अन्य लोगों पर ज्यादा भरोसा रखते हैं। भक्तिकालीन साहित्य के अनुवाद करने में यह बुनियादी फ़र्क़ बड़ा प्रभावशाली हो जाता है, क्योंकि इस साहित्य को चीनी लोकमानस के अनुसार अनुवादित करना आसान नहीं होता। प्रो. ज्यांग जिंग खुई ने हिंदू महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित एक समारोह में काव्यानुवाद की चुनौतियाँ विषय पर बोलते हुए चीन में भारतीय साहित्य के अनुवाद की लम्बी परंपरा की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जू फैनचेंग, ची श्यैनलिन, जिन केमू, लियू अनवु, जिन डिंगहान, हुआंग बाओशेंग और शुए ख छिओ जैसे मूर्धन्य विद्वानों ने चीनी भाषा में उपनिषद, नाट्यशास्त्र, वाल्मीकि रामायण, भगवत् गीता से लेकर कालिदास की अनेक रचनाओं तक के अनुवाद में अपना जीवन समर्पित किया है। बीजिंग विश्वविद्यालय में हिन्दी के आचार्य प्रो. खुई ने कहा कि 2024 वह साल है जब चीन महान कवि रवीन्द्रनाथ ठाकुर की चीन यात्रा की शताब्दी मना रहा है और उनके साहित्य तथा अवदान को श्रद्धा के साथ याद कर रहा है।

- **'भारत और चीन भले ही पड़ोसी मुल्क हैं किंतु उनकी संस्कृति और सभ्यता में बुनियादी फर्क है'**
- **प्रसिद्ध विद्वान प्रो. ज्यांग जिंग खुई ने सूरसागर, गोदान तथा शेखर एक जीवनी जैसी कृतियों का चीनी में अनुवाद किया है**
- **नयी वैश्विक परिस्थितियों में अनुवाद अत्यंत महत्वपूर्ण सांस्कृतिक गतिविधि बन गया है, जो विभिन्न देशों के लोगों को आपसे में जोड़ने का काम करता है : प्रो.अनिल राय**

प्रो. ज्यांग ने काव्यानुवाद की चुनौतियों पर कहा कि पंक्तियों की ध्वन्यात्मकता,लयात्मकता, पंक्तियों के बीच का मौन, शब्द, प्रतीक एवं सबसे ज्यादा भावों के अनुवाद में समस्या आती है। उन्होंने नायिका के सौंदर्य का चीनी भाषा में अनुवाद के समय की अपनी चुनौतियों को साझा करते हुए बताया कि चीनी सभ्यता के लोग किसी स्त्री के बालों को सर्प और आंखों को कमल के फूल की उपमा नहीं समझ पाते हैं। ऐसे में अनुवादक के समक्ष चुनौती प्रस्तुत होती है, क्योंकि चीन के लोगों की आंखें ही प्राकृतिक रूप से प्राय: छोटी होती हैं। अनुवाद की मौलिकता पर केंद्रित एक प्रश्न का उत्तर देते हुए प्रो. जियांग ने कहा कि अनुवाद एक स्वतंत्र, मौलिक एवं रचनात्मक इकाई के रूप में होती है जिसमें अनुवादक अपने भावों और विचारों के अनुरूप ही अनुवाद करता है।

इससे पहले महाविद्यालय परिसर में पहुंचने पर महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. अंजू श्रीवास्तव ने प्रो. ज्यांग जिंग खुई का स्वागत करते हुए कहा कि हिन्दू कॉलेज की पुरानी और समृद्ध परम्परा में भारतीय उपमहाद्वीप तथा एशिया के अनेक देशों के विद्यार्थी जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि प्रो. खुई की यह यात्रा इस सम्बन्ध में और अधिक उपादेय होगी जब दोनों देशों के विद्यार्थियों में सांस्कृतिक अध्ययन की गति तेज होगी। आयोजन के विशिष्ट अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के प्रो. अनिल राय ने प्रो. खुई के साथ व्यतीत अपने चीन प्रवास को याद करते हुए अविस्मरणीय अनुभव बताया।

प्रो. अनिल राय ने कहा कि नयी वैश्विक परिस्थितियों में अनुवाद अत्यंत महत्वपूर्ण सांस्कृतिक गतिविधि बन गया है जो विभिन्न देशों के लोगों को आपसे में जोड़ने का काम करता है। हिन्दी विभाग की प्रभारी प्रो. रचना सिंह ने प्रो. खुई तथा उनके शिष्य हे यांग का स्वागत किया। प्रो. सिंह ने हिंदी विभाग द्वारा की जा रही विभिन्न गतिविधियों की जानकारी भी प्रो. खुई को दी। विभाग के विद्यार्थियों दिव्यांश प्रताप सिंह तथा मोहित कुमार ने प्रो. खुई को महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका इंद्रप्रस्थ तथा विभाग की हस्तलिखित पत्रिका हस्ताक्षर के ताज़ा अंक भेंट किये।

हिंदू महाविद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक प्रो. रामेश्वर राय ने कहा कि चीन से तकनीक तथा विज्ञान के साथ साहित्य के क्षेत्र में भी प्रेरणा ली जानी चाहिए जहाँ अनुवाद की ऐसी शानदार परम्परा बन गई है। प्रो. राय ने कहा कि प्राकृतिक उपमाएं अनुवाद में भले ही बड़ी चुनौती हों किंतु भारतीय संस्कृति में सौंदर्य को हमेशा से ही प्रकृति से अभिन्न माना गया है और देह से मुक्त होकर प्रकृति की ओर उन्मुखता सौंदर्य की व्यापकता को और बढ़ा देता है। कमल की उपमा का उदाहरण देकर उन्होंने कहा कि कमल संभावनाओं एवं सात्विकता को व्यक्त करता है क्योंकि वह सूर्य के उदय के साथ खिलता है।

कार्यक्रम के समापन पर विभाग के अध्यापक डॉ. पल्लव ने आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में हिंदी विभाग एवं ईस्ट एशियन स्टडीज के अनेक शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मूलभूत समस्याओं को लेकर लोगों में आक्रोश

कांग्रेस नेताओं ने लोगों के साथ जलदाय विभाग के अधिकारियों का घेराव किया

भीलवाड़ा में लोगों ने जलदाय विभाग के अधिकारियों का घेराव किया।

भीलवाड़ा, (निसं)। जलदाय विभाग, चम्बल परियोजना और सीवरेज ठेकेदार की लापरवाहियों का खामियाजा इन दिनों शहरवासी भुगत रहे हैं। आए दिन अलग-अलग कॉलोनियों में पाइप लाइन तोड़े जाने और जलापूर्ति प्रभावित होने की खबरें आम हो गई हैं, लेकिन इन विभागों की तरफ से कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है, इसलिए शुक्रवार को कांग्रेस नेताओ ने लोगों के साथ जलदाय विभाग के अधिकारियों का घेराव करते हुए पीपा बजा कर उन्हें कुंभकर्ण नींद से जगाने का प्रयास किया। नेता प्रतिपक्ष धर्मेंद्र पारीक और सेवादल के मनोज पालीवाल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग विभाग के कार्यालय पहुंचे और पांच सूत्रीय मांगों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। इस दौरान लोगों ने अधिकारियों का घेराव करते हुए पीपा बजाकर उन्हें आमजन की समस्याओं को सुनने के लिए जगाने का प्रयास किया। ज्ञापन में शहर में पर्याप्त जलापूर्ति करने, निश्चित तारीख और समय पर आपूर्ति करने, सीवरेज द्वारा बार- बार पाइप लाइन को बाधित करने के संबंध में स्थाई तौर पर निर्णय करने, दूषित जल जो लीकेज के कारण पाइप लाइनों में आ जाता है उसका सर्वे करवा ठीक करने और शहर के सभी हेंडपैपों को और पुरानी जलदाय विभाग की ट्यूबवेल दुरस्त करने की मांग की गई।

कुश्ती प्रतियोगिता में अश्विनी बिश्नोई का पदक जीतने पर स्वागत

अश्विनी बिश्नोई ने 15 वर्ष आयु और 65 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता

भीलवाड़ा, (निसं)। पहलवानी के क्षेत्र में एक बार फिर भीलवाड़ा की बेटी ने जिले का नाम पूरे देश में ही नहीं दुनिया में रोशन किया है। जॉर्डन की राजधानी अम्मान में संपन्न हुई एशियन कुश्ती प्रतियोगिता में भारत के लिए गोल्ड मेडल जीतने वाली अश्विनी बिश्नोई भीलवाड़ा की बेटी है, जिसने विदेशी सरजमीं पर अपनी काबिलियत और बलबूते पर देश और प्रदेश के साथ अपने परिवार का नाम रोशन किया है। पदक जीतने पर रेलवे स्टेशन पर अश्विनी बिश्नोई का आतिशबाजी के साथ भव्य स्वागत करने के बाद जुलूस निकाला गया।

- **अश्विनी बिश्नोई का भीलवाड़ा रेलवे स्टेशन पर आतिशबाजी के साथ भव्य स्वागत करने के बाद जुलूस निकाला गया**

जब अश्विनी बिश्नोई के एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में 15 वर्ष आयु और 65 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने की खबर सुनते ही उसके घर शुभकामनाओं का तांता लग गया। 15 वर्षीय एशियन चैंपियन ने 65 किलोग्राम भार वर्ग में लगातार दूसरी बार भारत के लिए गोल्ड मेडल जीतकर अपने देश और माता-पिता का नाम रोशन किया है।

विजेता अश्वनी बिश्नोई ने चीन की पहलवान को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भीलवाड़ा की इस खिलाड़ी की एशियन कुश्ती प्रतियोगिता में यह लगातार दूसरी जीत है। अश्विनी के पिता मुकेश बिश्नोई एक मिल में मजदूरी करते हैं।

जानकारी के मुताबिक मुकेश बिश्नोई खुद भी पहलवान थे, लेकिन घर की जिम्मेदारियों और आर्थिक स्थिति कमजोर होने की वजह से आगे कुश्ती नहीं लड़ पाए और देश के लिए कुश्ती में मेडल जीतने का सपना अधूरा ही रह गया। अब उनका मेडल जीतने का सपना उनकी बेटी ने पूरा किया है। बेटी के भीलवाड़ा पहुंचने पर शहरभर ने उसका स्वागत किया। रेलवे स्टेशन पर आतिशबाजी के साथ भव्य स्वागत करने के बाद जुलूस निकाला गया, जिस पर कई जगह शहरवासियों ने पुष्प वर्षा कर अश्विनी बिश्नोई का स्वागत किया।

जैन समाज की 111 प्रतिभावान बेटियों का सम्मान

उदयपुर, (का.सं.)। सामाजिक संस्था श्री महावीर युवा मंच संस्थान, महिला प्रकोष्ठ द्वारा सौ फीट रोड स्थित शुभकेसर गार्डन में शुक्रवार को जैन समाज की 111 प्रतिभावान बेटियों का सम्मान समारोह हुआ। महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्षा ऋतु मारू एवं महामंत्री अमिता डांगी ने बताया कि समारोह में मुख्य अतिथि शहर विधायक ताराचंद जैन व समारोह की अध्यक्षता जयनारायण विश्व विद्यालय के रजिस्ट्रार ओपी जैन ने की। सम्मानित अतिथि के रूप में राजसमंद विधायिका दीप्ति किरण माहेश्वरी, संस्थान के मुख्य संरक्षक राजकुमार फत्तावत एवं बडाला क्लासेज के निदेशक राहुल बडाला थे।

इस अवसर पर विधायक ताराचंद जैन ने कहा कि बेटियां दो परिवारों की धरोहर होती है। इसको सहेजना और संवारना समाज कर्तव्य है। 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाली 111 जैन समाज की बेटियों ने अपने टेलेन्ट से अपने आप का सिद्ध किया है। समाज भी इन बेटियों के प्रति अपना दायित्व समझते हुए इन्हे हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने का प्रयास करें। संस्थान के मुख्य संरक्षक एवं सकल जैन समाज के अध्यक्ष राजकुमार फत्तावत ने कहा कि संस्थान की महिला प्रकोष्ठ ने केवल बेटियों का सम्मान कर एक अनुठी पहल की है। इस अवसर पर फत्तावत ने प्रतिवर्ष जैन समाज की 5 बेटियों को गोद लेकर इनकी शिक्षाए भरण-पोषण आदि का कार्य करने का भामाशाह जयन्ती पर संकल्प लिया एवं प्रकोष्ठ की बहिनों से सभी बेटियों को स्मार्ट व सशक्त गर्ल्स बनाने का आव्हान किया।

आयोजन की संयोजिका प्रिया झगडावत, चित्रलेखा तलेसरा, सुनीता बेलावत ने बताया कि सभी अतिथियों ने 111 बेटियों को प्रशस्ति पत्र, मेडल, उपरणा, श्रीफल व तिलक द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष अशोक कोठारी, महामंत्री विजयलक्ष्मी गलूंडिया, बीजेएस अध्यक्ष यशवंत कोठारी, कार्यकारी अध्यक्ष दीपक सिंघवी, महामंत्री भूपेन्द्र गजावत, जेजेसी अध्यक्ष सुधीर चित्तौड़ा, कार्यकारी अध्यक्ष अरूण मेहता, महामंत्री सोनाली जैन, बीजेएस प्रदेश महामंत्री श्याम नागोरी, कोर्डिनेटर चन्द्रप्रकाश चौरडिया आदि मौजूद रहे।

राशिफल शनिवार 29 जून, 2024

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, अष्टमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2081, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र प्रात: 3:49 तक, शोभन योग सांय 6:54 तक, कौलव करण दिन 2:20 तक, चन्द्रमा आज मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-मीन, मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरू-वृष, शुक्र-मिथुन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज बुध कर्क राशि में दिन 12:27 पर प्रवेश करेगा। शानि वक्री रात्रि 12:40 पर होगा। आज बोहरा अष्टमी, पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:22 से 9:05 तक, चर 12:30 से 2:12 तक, लाभ-अमृत 2:14 से 5:38 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:40, सूर्यास्त 7:20

मेष

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

सिंह

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा।

धनु

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में आपसी वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

मकर

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। धार्मिक कार्यों में सहभागिता रहेगी।

कर्क

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में मनोरंजन पर खर्च हो सकता है।

वृश्चिक

व्यावसायिक आर्थिक मामलों मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन

मनोस्थिति में सुधार होगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 28 संख्याः 330 प्रभात अजमेर, शनिवार 29 जून, 2024 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

लोकसभा में राहुल गाँधी व राज्यसभा में खड़गे का माइक ''म्यूट''?

सोशल मीडिया पर दिनभर वायरल रही यह खबर

-रेण मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जून। क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं अपने दुश्मन बन गए हैं? क्या उनकी ज़िद भाजपा को क्षति पहुँचा रही है और ऐसा परिदृश्य पैदा कर रही है, जिसमें ऐसा लग रहा है कि, वो आम आदमी के मुद्दों के साथ जुड़े हुए नहीं हैं?

भाजपा के एक वरिष्ठ सदस्य ने कहा कि, यदि संसद में नीट के मुद्दे पर बहस की अनुमति दे दी जाती तो यह भाजपा के हित में होता और एक बार जब मुद्दे पर पूरी तरह बहस हो जाती तो उसको लेकर जो दबाव बन रहा है वो थोड़ा कम हो जाता और ऐसा लगता है कि, भाजपा इस मुद्दे को लेकर चिंतित है तथा देश के युवाओं के लिए बोल रही है।

लेकिन, हुआ क्या? ओम बिड़ला तथा जगदीप धनखड़ ने विपक्ष को यह मुद्दा उठाने नहीं दिया।

लोकसभा में विपक्ष के नेता, राहुल गाँधी का माइक स्विच ऑफ था और यह खबर अब वायरल हो गई है। ओम बिड़ला का कहना है कि, उन्होंने ऐसा नहीं किया क्योंकि माइक का बटन उनके पास नहीं है।

- **सूत्रों के अनुसार, राहुल गाँधी ने जब लोकसभा में नीट फर्जीवाड़े का मुद्दा उठाया तो, उनका माईक कथित तौर पर स्विच ऑफ था, जब राज्यसभा में खड़गे ने यही मुद्दा उठाया तो उनका माईक भी म्यूट था।**
- **राहुल गाँधी और मल्लिकार्जुन खड़गे दोनों ने इस पर गंभीर आपत्ति जताई।**
- **इस मसले पर भाजपा में भी सुगबुगाहट देखी जा रही है। सूत्रों के अनुसार, एक वरिष्ठ भाजपा सांसद ने कहा कि, संसद में नीट पर बहस की अनुमति दे दी जाती तो नीट मसले पर बढ़ता दबाव कुछ कम हो जाता और युवा वर्ग में मैसेज जाता कि भाजपा को उनकी फिक्र है।**
- **एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि, मोदी यह दिखा रहे हैं कि, सब कुछ उनके नियंत्रण में है, और कुछ भी नहीं बदला।**
- **विपक्ष के एक वरिष्ठ नेता ने यह भी कहा कि, अगर मोदी अपने तौर तरीके बदल लेते तो यह मैसेज जाता कि वे ''कमजोर'' हो गए हैं, शायद इसीलिए मोदी पुरानी कार्यशैली पर ही चल रहे हैं।**

मल्लिकार्जुन खड़गे को उठकर सदन के वैल में जाना पड़ा क्योंकि, राज्य सभा में जगदीप धनखड़ ने विपक्ष के नेता को बोलने की अनुमति देने से इन्कार कर दिया और उनका माइक भी म्यूट कर दिया गया।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा, मोदी यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि, सब कुछ 17वीं लोकसभा जैसा ही है, कुछ भी बदला नहीं है। यह भी कि, सब कुछ उनके आदेश अनुसार ही होता है।

विपक्ष के एक नेता का कहना है कि, यह काल्पनिक परिदृश्य भाजपा को अधिक हानि पहुँचाएगा, जितना मोदी को अहसास भी नहीं है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि, मोदी हिले हुए हैं। वो अभी भी विपक्ष के नेताओं को बोलने नहीं देने की पुरानी रणनीतियों पर चल रहे हैं। माइक म्यूट कर देना और पूरी ताकत से अपना एजेण्डा आगे बढ़ाने जैसी युक्तियाँ अब सशक्त व मौन नेता की छवि को लाभ नहीं पहुँचा रही है।

अब यदि मोदी किसी अलग अवतार में आते हैं तो यह ऐसा होगा मानो वो स्वीकार कर रहे हैं कि, अब वो एक कमज़ोर नेता हैं जो बैसाखी के सहारे चल रहा है तथा स्वयं अपनी नियति का मालिक नहीं है।

लेकिन संसद के पिछले कुछ दिन दर्शाते हैं कि, मोदी अपनी काल्पनिक दुनिया में रहना चाहते हैं, फिर चाहे पार्टी को कुछ भी नुकसान हो।

एकलपट्टा केसों की जांच के लिए समिति गठित

जयपुर, 28 जून। प्रदेश में एकल पट्टों से संबंधित प्रकरणों की निष्पक्ष जांच के लिए राज्य सरकार ने समिति का गठन किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर पूर्व न्यायाधीश आर.एस. राठौड़ की अध्यक्षता में इस समिति का गठन किया गया है। साथ ही, गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव इस समिति के सदस्य होंगे।

उल्लेखनीय है कि पूर्ववर्ती सरकार

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए पूर्व न्यायाधीश आर. एस.राठौड़ की अध्यक्षता में जांच समिति गठित की और कहा कि एकल पट्टा केसों की निष्पक्ष जांच होगी।**

के कार्यकाल में एकल पट्टा प्रकरण में हुई अनियमितताओं पर न्यायालय से केस वापिस लेने के लिए कमेटी गठित की गई थी। लेकिन कमेटी में तत्कालीन शहर विकास मंत्री शांति धारीवाल के कार्यालय से संबंधित अधिकारियों को शामिल किया गया था। इससे उक्त कमेटी की निष्पक्षता पर सवाल उठे थे।

पूर्व न्यायाधीश आर.एस. राठौड़ की अध्यक्षता में नव गठित समिति

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अंततोगत्वा 5 महीने बाद रिहा हुए झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

झारखंड हाईकोर्ट ने सोरेन को जमानत देते हुए कहा कि, उनके खिलाफ प्रथम दृष्टया मनी लॉण्डरिंग का कोई केस नहीं बनता है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जून। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को मनी लॉन्डरिंग केस में हाई कोर्ट से जमानत मिल जाने के बाद उन्हें रांची की बिरसा मुण्डा जेल से रिहा कर दिया गया। यह घटना राजनीति में इसलिए महत्वपूर्ण है कि इस बात की पूरी संभावना है कि कुछ माह बाद प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनावों में इंडिया ब्लॉक मजबूत होगा।

जैसे ही सोरेन जेल से बाहर निकलकर आए उनके पक्ष में जे.एम.एम. के हजारों समर्थकों ने जश्न मनाया और उनके पक्ष में नारे लगाए।

जेल से रिहाई के बाद मीडिया से बात करते हुए सोरेन ने कहा ''मुझे 5 माह तक जेल में रखा। हम यह भी गौर से देख रहे हैं कि न्याय प्रक्रिया में महीने या कुछ दिन ही नहीं बल्कि वर्षों का समय लग रहा है। आज संपूर्ण देश के लिए यह एक संदेश है कि हमारे खिलाफ एक षडयंत्र रचा गया था।''

''जो संघर्ष हमने शुरू किया था और जो संकल्प हमने लिए थे उनको मूर्तरूप देने के लिए हम काम करेंगे।''

सोरेन को जमानत उनकी याचिका पर सुनवाई व कोर्ट द्वारा दो सप्ताह तक आदेश सुरक्षित रखने के बाद दी गई है।

न्यायाधीश रोंगोन मुखोपाध्याय की एकल बैंच ने सोरेन को 50,000 रूपये के एक जमानत बाँड एवं इतनी ही राशि के दो मुचलकों पर जमानत मंजूर की है।

सोरेन के वकील ने मीडिया से कहा कि कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री को प्रथम दृष्टया दोषी नहीं माना है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **हाईकोर्ट की सिंगल जज बैंच ने सोरेन को 50 हजार रुपये के बेल बॉण्ड और इतनी ही राशि के दो मुचलकों पर जमानत दी।**
- **ई.डी. ने यह कहकर जमानत का विरोध किया कि, सोरेन प्रभावशाली व्यक्ति हैं और रिहा होकर वे अपने प्रभाव का दुरुपयोग कर सकते हैं। पर हाईकोर्ट ने कहा कि, सोरेन प्रथम दृष्टया अपराधी नहीं हैं और जमानत मिलने के बाद उनके कोई अपराध करने की संभावना नहीं है।**
- **झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री को ई.डी. ने जमीन के एक सौदे में मनी लॉण्डरिंग की जांच के दौरान इसी वर्ष 31 जनवरी को गिरफ्तार किया था। तब से सोरेन रांची की बिरसा मुंडा जेल में ही थे।**

विधानसभा चुनाव में स्टालिन का सिरदर्द बनेंगे तमिल सुपरस्टार विजय

तमिलनाडू के इस लोकप्रिय स्टार ने साफ कर दिया है कि, वे तमिलनाडू विधानसभा चुनाव लड़ेंगे

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जून। फिल्म अभिनेता विजय, तमिलनाडू में नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री के नियंत्रण में द्रमुक और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के कथित रूप से विफल रहने के खिलाफ खुलकर सामने आ गए हैं। उन्होंने इस पर आश्चर्य व्यक्त किया है कि ''राज्य के सभी ईमानदार और सत्यनिष्ठ लोग क्या कर रहे हैं।''

विजय ने सभी राजनीतिक दलों को एक ही लकड़ी से हांकते हुए कहा कि राजनीति में अच्छे लोगों की जरूरत है। चैन्नई में आयोजित छात्रों के एक अभिनन्दन कार्यक्रम में दिए गए संबोधन में विजय ने राज्य की राजनीतिक दुर्दशा पर टिप्पणी की और उनकी इस टिप्पणी को लोकसभा और विधानसभा के अगले चुनावों के मद्देनज़र चुनावी तैयारी के रूप में देखा जा रहा है।

- **विजय ने इन दिनों तमिलनाडू के मुख्यमंत्री व द्रमुक के मुखिया एम.के. स्टालिन के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है और आरोप लगाया है कि, सरकार नशीली दवाओं के कारोबार पर नियंत्रण करने में बुरी तरह नाकाम रही है।**
- **तमिलनाडू की राजनीति हमेशा से तमिल फिल्म इंडस्ट्री का प्रिय मैदान रही है। करूणानिधी, एम.जी. रामचंद्रन, सभी का फिल्मों से गहरा जुड़ाव रहा है, और अब एक्टर विजय भी इस क्षेत्र में जोर आजमाना चाहते हैं।**
- **विजय युवा वर्ग में बेहद लोकप्रिय हैं। हर धर्म और जाति के उनके प्रशंसक हैं। राजनीति में उनके आगमन की खबर से सत्तारुढ़ पार्टी में बैचेनी बढ़ने लगी है।**
- **विजय ने युवाओं में बढ़ती नशे की लत व नशे के कारोबार पर निशाना साधकर अपने इरादों का संकेत दे दिया है।**

विजय, तमिलनाडू की उन फिल्मी हस्तियों में से एक बनना चाहते हैं, जिन्होंने मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुँचकर बड़ा नाम कमाया है। एम.जी. रामचन्द्रन और उनके संरक्षण में रहीं, जे. जयललिता तथा द्रमुक सुप्रीमो एवं पटकथा लेखक, एम. करूणानिधि,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'पशु चिकित्सकों की रिटायरमैंट आयु 62 साल क्यों नहीं'

जयपुर, 28 जून (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने पूछा है कि पशु चिकित्सकों की रिटायरमैंट आयु सीमा 60 साल क्यों है 62 साल क्यों नहीं। हाई कोर्ट ने इस मामले में अतिरिक्त मुख्य वित्त सचिव, प्रमुख कार्मिक सचिव और संयुक्त पशुधन सचिव सहित चिकित्सा सचिव से जवाब तलब

- **राजस्थान हाईकोर्ट ने अतिरिक्त मुख्यसचिव, प्रमुख कार्मिक सचिव और संयुक्त पशुधन सचिव से जवाब मांगा है। ज्ञातव्य है कि, एम.बी.बी.एस. चिकित्सक 62 वर्ष की आयु में रिटायर होते हैं, पर पशु चिकित्सकों को 60 वर्ष की आयु में रिटायर कर दिया जाता है।**

किया है। हाई कोर्ट की खंडपीठ ने यह आदेश डॉ. पदमचंद जैन व अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। अदालत ने इन अधिकारियों से पूछा है कि जब एम.बी.बी.एस. चिकित्सकों की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मनी लॉण्डरिंग रोकने में भारत विश्व में सबसे आगे'

अंतर्राष्ट्रीय संस्था, फाइनैंशियल एक्शन टॉस्क फोर्स ने कहा कि, भारत के वित्तीय नियम और पूंजी प्रवाह पर निगरानी करने वाली संस्थाएं काफी सशक्त हैं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जून। भारत को एक ऐसे देश के रूप में मान्यता मिली है जो मनी लॉण्डरिंग और टैरर फण्डिंग की गतिविधियों की रोकथाम में वैश्विक रूप से अग्रणी है। भारत के वित्तीय नियमन तथा वित्तीय त्रुटियों की निगरानी का सिस्टम भारत के और यहाँ आने वाली बकायदा वित्तीय गड़बड़ियों को दूर करने में प्रभारी रूप से काम करते हैं।

भारत को यह मान्यता, पूरी दुनिया और देशों के भीतर मनी लॉण्डरिंग, टैरर फायनैंसिंग व अनियमित वित्तीय त्रुटियों की रोकथाम करने वाली एक वैश्विक संस्था फायनैंशियल एक्शन टॉस्क फोर्स (एफ.ए.टी.एफ.) ने दी है। यह अंतर सरकारी संस्था एक वैश्विक निगरानी एजेंसी है। भारत को सिंगापुर के एक विशेष एकांश द्वारा पारस्परिक मूल्यांकन के बाद ''रैग्यूलर फॉलोअप'' श्रेणी में रखा गया। यह श्रेणी पर्यवेक्षण और जाँच के स्वीकार्य मापदण्डों की एक मान्यता है।

इस प्रकार की मान्यता उपयोगी है क्योंकि यह मान्यता मिलने के बाद देश को वित्तीय सैक्टर के ग्लोबल प्लेयर्स के लिए सुरक्षित गंतव्य माना जाता है। इससे देश की व्यापारिक संस्थाओं की वैश्विक वित्तीय बाजारों तक पहुँच में भी सुधार होता है।

- **फाइनैंशियल एक्शन टॉस्क फोर्स (एफ.ए.टी.एफ.) टैरर फंडिंग, मनी लॉण्डरिंग और विभिन्न देशों से होने वाले गैर कानूनी वित्तीय लेन-देन पर नज़र रखती है।**
- **भारत 2010 में इस संस्था में शामिल हुआ था, तबसे ही भारत में गैर कानूनी वित्तीय प्रवाह पर कड़ा नियंत्रण रखा जाता है।**
- **भारत ने अधिकांश अन्तर्राष्ट्रीय अकाउन्टिंग स्टैण्डर्ड्स अपना रखे हैं जो बेहद कठोर हैं।**

यह वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेन्सीज़ से उच्च क्रेडिट रेटिंग प्राप्त करने के समान है। एफ.ए.टी.एफ. से मान्यता प्राप्त करने के लिए किसी देश को ग्लोबल अकाउन्टिंग स्टैण्डर्स भी व्यवहार में लाने पड़ते हैं।

भारत ने वर्षों पहले, अधिकांश इन्टरनैशनल अकाउन्टिंग स्टैण्ड्र्स अपना लिए थे, जो व्यवहारिक रूप से थोड़े सख्त होते हैं। एफ.ए.टी.एफ. का व्यवहारिक उपयोग वश्विक आतंकवाद के प्रसार के विरोध में 1990 के दशक में शुरु किया गया था। पश्चिमी देशों ने आरंभ में इसकी शुरुआत ऑर्गनाइज़ेशन कोर इकोनॉमिक को-ऑपरेशन एण्ड डवलपमैंट (ओई.सी.डी.) के नेतृत्व में की थी।

कुछ ही अन्य देशों को भारत जैसी श्रेणी में रखा गया है।

पाकिस्तान ने प्राय: सीमा पार आतंकवाद को प्रोत्साहित किया है और ऐसी बेहिसाब वित्तीय त्रुटियों में उनकी भागीदारी रही है। मनी लॉण्डरिंग की रोकथाम में पाकिस्तान की एफ.ए.टी.एफ. रैंकिंग बहुत नीचे है।

वित्तीय सहायता व संसाधन उपलब्ध कराए बिना सीमा पार आतंकी गतिविधियां नहीं हो सकतीं। ऐसी गतिविधियां को फण्डिंग करने का प्रत्यक्ष परिणाम है वैश्विक आतंकवाद। भारत वर्ष 2010 में एफ.ए.टी.एफ. बिरादरी का हिस्सा बना था और वह तब से ही अनियंत्रित वित्तीय गड़बड़ियों पर कठोर प्रतिबंध लगाता रहा है। एक सदस्य देश के रूप में भारत मनी लॉण्डरिंग और टैरर फण्डिंग के खिलाफ उपाय करने को बाध्य है।

टैलिकॉम कंपनियों ने मोबाइल रीचार्ज 27% तक महंगा किया

नई दिल्ली, 28 जून। देश की दोनों ही प्रमुख टेलीकॉम कंपनियों जियो और एयरटेल ने अपने रीचार्ज प्लान्स की कीमतों में इजाफा कर दिया है। जियो ने करीब ढाई साल बाद अपने रीचार्ज प्लान्स कीमतों में इजाफा किया है। जहां एयरटेल ने अपने प्लान्स को 600 रुपये

- **जियो ने रीचार्ज प्लान में 12-27 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है तथा एयरटेल ने अपने रीचार्ज प्लान्स को 600 रुपये तक महंगा कर दिया है।**

तक महंगा किया है, वहीं जियो के प्लान्स की कीमतों में 27 परसेंट तक की बढ़ोतरी हुई है।

दोनों कंपनियों ने 5 जी सर्विस लॉन्च के बाद अपने प्लान्स में ये बड़ी बढ़ोतरी की है। इससे पहले भी टेलीकॉम कंपनियों ने कुछ प्लान्स को रिवाइज किया था, लेकिन इस बार पूरे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दो राजनैतिक घटनाक्रमों से तिलमिलाए नीतीश दिल्ली पहुँचे

आज होने वाली जद (यू) की नैशनल एग्ज़िक्युटिव बैठक में नीतीश बड़ा बयान दे सकते हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जून। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जनता दल (यूनाइटेड) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के लिए आज दिल्ली पहुँचे। बैठक शनिवार को शुरु होगी। यह बैठक हाल ही की दो महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाओं की पृष्ठभूमि में हो रही है। नीतीश सरकार ने आरक्षण कोटा में बढ़ाने की जो घोषणा की थी, उसे पटना हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया और दूसरी घटना है, भाजपा के वरिष्ठ नेता अश्विनी चौबे द्वारा हाल ही में दिया गया वक्तव्य, जिसमें उन्होंने कहा है कि, भाजपा को 2025 का विधानसभा चुनाव स्वयं अपने बल पर लड़ना चाहिए।

हाई कोर्ट के आदेश से जहाँ नीतीश कुमार बचाव की मुद्रा में आ गए हैं, वहीं, चौबे की टिप्पणियाँ ऐसे समय में शर्मिंदगी का कारण बनी हैं, जबकि, नरेन्द्र मोदी सरकार अपने सरवाइवल के लिए मुख्य रूप से नीतीश की पार्टी पर निर्भर है।

संभावना है कि, अपनी दिल्ली यात्रा के दौरान नीतीश कुमार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के साथ मीटिंग में चौबे की टिप्पणी का मसला उठाएंगे।

- **नीतीश कुमार के आरक्षण कोटा बढ़ाने के फैसले को पटना हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया है, जिससे नीतीश की भारी किरकिरी हुई है।**
- **नीतीश को आशंका है कि, कि हाईकोर्ट इस फैसले से राष्ट्रीय जनतादल के नेतृत्व वाले महागठबंधन को लाभ होगा। इसी से आशंकित होकर वे विधानसभा चुनाव एक साल देरी से, महाराष्ट्र, हरियाणा व झारखंड के चुनावों के साथ, कराने पर जोर दे रहे हैं।**
- **भाजपा ने ना केवल नीतीश के इरादों पर चुप्पी साध रखी है, बल्कि भाजपा के एक वरिष्ठ नेता अश्विनी चौबे ने तो यह तक कह डाला कि, भाजपा को विधानसभा चुनाव अकेले लड़ना चाहिए।**
- **इससे यह संकेत मिलता है कि, बिहार में भाजपा और जद (यू) के बीच सब कुछ ठीक नहीं है, जबकि केन्द्र में भाजपा सरकार नीतीश के समर्थन पर आश्रित है।**
- **समझा जाता है कि, नीतीश इस मसले को प्रधानमंत्री मोदी व गृहमंत्री अमित शाह के समक्ष उठाएंगे, साथ ही राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में ऐसी रणनीति पेश करेंगे जिससे जद (यू) तथा उनकी खुद की प्रासंगिकता बनी रहे।**

जद (यू) के दो नेताओं (राजीव रंजन उर्फ लल्लन सिंह और राम नाथ ठाकुर) को मोदी के मंत्रिमण्डल में शामिल किया गया है और जद (यू) ने स्पीकर के लिए भाजपा की पसंद, ओम बिड़ला का समर्थन भी किया है।

लेकिन, बिहार में भाजपा और जद (यू) के बीच सब कुछ ठीक नहीं लग रहा है। इस बारे में अटकलबाजिया उस समय शुरु हुईं जब, भाजपा नेता और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कॉल आने पर जल्दबाजी में एक महत्वपूर्ण मीटिंग छोड़कर चले गए। यह मीटिंग भाजपा महामंत्री विनोद तावडे ने हाल में संपन्न लोकसभा चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन की समीक्षा करने के लिए बुलाई थी तथा मीटिंग में नवम्बर 2025 में होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों के लिए रणनीतियों पर भी चर्चा होनी थी।

आरक्षण के मामले पर हाई कोर्ट का आदेश आने के बाद आर.जे.डी. के नेतृत्व वाले महागठबंधन की लोकप्रियता में वृद्धि होने की आशंका में कुमार इस अनुचित मांग पर दबाव देते रहे हैं कि बिहार में विधानसभा चुनाव एक वर्ष के लिए टाल दिए जाए और बिहार चुनाव महाराष्ट्र, हरियाणा व झारखण्ड में होने वाले चुनावों के साथ कराए जाए। भाजपा इस विचार पर शांत है।

कल होने वाली राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में कुमार प्रभावी रणनीति के साथ आने का प्रयास करेंगे ताकि उनकी पार्टी और उनकी स्वयं की राजनीतिक प्रासंगिकता बरकरार रहे।

कुमार को एक चतुर नेता के रूप में जाना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बारिश का पानी शशि थरूर के घर में घुसा

नई दिल्ली, 28 जून। दिल्ली में शुक्रवार को हुई बारिश से कई इलाकों में पानी भर गया। सड़कों पर वाहन पानी में डूबे नजर आए। भारी बारिश के कारण दिल्ली की सड़कों पर कई किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम भी नजर आया। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बारिश की वजह से अपने लुटियंस दिल्ली के घर में फिर से पानी भर जाने की कहानी

- **शशि थरूर ने कहा, मैंने सुबह उठकर देखा तो मेरे घर के हर कमरे में एक फुट पानी था।**

एक्स पर शेयर की। उन्होंने एक वीडियो शेयर करते हुए बताया कि, सुबह जागने पर उनके घर के हर कमरे में एक फुट पानी था।

एक्स पोस्ट में उन्होंने लिखा, ''कारपेट्स, फर्नीचर, बिल्कुल हर चीज खराब हो गई। शायद मोहल्ले के स्टॉर्म वॉटर ड्रेनेज भर गए थे, इसलिए पानी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोटा में सवा तीन इंच बरसात से कई इलाके जलमग्न, नदी-नालों में उफान आया

बारिश होने से जनजीवन अस्त-व्यस्त, निचली बस्तियों और कॉलोनी में बारिश का पानी भरा

कोटा में भारी बरसात के चलते डकनिया रेलवे स्टेशन के स्टैंड में खड़े वाहन पानी में डूब गए।

कोटा, (निसं)। कोटा में मानसून सीजन की अब तक की सबसे तेज बारिश गुरुवार रात को हुई है। गुरुवार शाम 8 बजे से बारिश का क्रम शुरू हुआ, जो शुक्रवार अल सुबह तक जारी था। शुक्रवार दोपहर में भी शहर के कुछ स्थानों पर बरसात का दौर चला। मौसम विभाग के अनुसार 24 घंटे में 85.9 मिलीमीटर यानी 3.38 इंच बारिश हुई है। बारिश होने से जनजीवन अस्त-व्यस्त भी हुआ है। कई निचली बस्तियों और कॉलोनी में बारिश का पानी भर गया है।

कोटा के उपनगरीय रेलवे स्टेशन डकनिया पर स्मार्ट स्टेशन बनाने का निर्माण कार्य जारी है। ऐसे में नालों के अवरुद्ध होने के चलते स्टेशन की पार्किंग में पानी प्रवेश कर गया। इसी तरह से बोरखेड़ा, स्टेशन, जवाहर नगर, बजरंगनगर, प्रेमनगर क्षेत्र में निचली बस्ती और कॉलोनी में पानी भर गया। दूसरी तरफ देवली अरब रोड पर महिलाओं ने सड़क जाम कर दिया। मामला सीवरेज लाइन डालने के दौरान सड़क को खोद देने का था। अब वहां पर बारिश हो जाने के चलते आवागमन पूरी तरह से बाधित हो गया है। जहां पर देर रात को पुलिस भी पहुंची थी और लोगों से समझाईश की थी जिसके बाद महिलाओं ने रास्ता खोल दिया था। गुरुवार रात को हुई बारिश को मिलाकर इस सीजन में अब तक कोटा में 212 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है। अच्छी बारिश गिरने के बावजूद न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी हुई है। बारिश के बाद नदी नालों में उफान आने से मगरमच्छों का खतरा बढ़ गया है। मगरमच्छ नदी नालों से निकलकर कॉलोनी और खाली प्लाटों में पहुंच रहे हैं। सड़कों पर उनकी चहलकदमी नजर आ रही है।

लाड़पुरा रेंज के वनकर्मी वीरेंद्र सिंह हाड़ा ने बताया कि नाग-नागिन मंदिर से 80 फिट रोड की तरफ जा रही नहर के समानांतर सड़क के नजदीक बनी एक मल्टी स्टोरी बिल्डिंग में करीब 5 फीट लंबा मगरमच्छ का बच्चा प्रवेश कर गया था जिसकी सूचना पर लाडपुरा रेंज की टीम पहुंची थी। जिन्होंने क्रोकोडाइल का रेस्क्यू किया है। वनकर्मी हाड़ा ने बताया कि बीते दो दिनों में चार क्रोकोडाइल का रेस्क्यू अब तक कर चुके हैं।

इसी तरह से मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व के नजदीक के इलाके में नीलगाय दलदल में फंस गई थी इसकी सूचना रेंजर प्रद्युम्न सिंह राठौड़ को मिली। इसके बाद उन्होंने मुकुंदरा हिल्स टाईगर रिजर्व के नाका प्रभारी राजवीर सिंह को मौके पर भेजा। जिन्होंने नीम की चौकी के पास तलाई में मादा नीलगाय को आधे घंटे की मशक्कत के बाद दलदल से बाहर निकाला और सुरक्षित जगह पर रिलीज किया। इस दौरान उनके साथ बॉर्डर होमगार्ड का जवान पूनम सिंह ने भी मदद की है। राजवीर का कहना है कि खाने की तलाश में मादा नीलगाय घूम रही होगी। इसी के चलते वह दलदल में फंस गई थी। उसका रेस्क्यू नहीं किया जाता तो उसकी जान चली जाती।

जोधपुर में दूसरे दिन भी बरसात जारी रही

- पावटा, मंडोर सहित अन्य क्षेत्रों में सड़कों पर पानी भरने से वाहनों का जाम लगा

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में शुक्रवार को दूसरे दिन भी बरसात जारी रही। आधे शहर में अच्छी बरसात हुई। भीतरी शहर में सड़कों पर नदी की तरह पानी बहने लगा। वहीं पावटा, मंडोर सहित अन्य क्षेत्रों में सड़कों पर पानी भरने से वाहनों का जाम लगा। शुक्रवार दोपहर 12 बजे के करीब हल्की बरसात का दौर शुरु हुआ जो डेढ़ बजे तक तेज हो गई। पावटा, महामंदिर, मंडोर सूरसागर आदि क्षेत्रों में तेज बरसात हुई। शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में तेज फिर धीरे बरसात ने मौसम खुशनुमा कर दिया लेकिन उमस बरकरार रही।

इधर बकरा मंडी गंगलाव तालाब के आस-पास निचले घरों में पानी भर गया। घरों के निवासी को क्षेत्रवासियों ने बाहर निकाला। शुक्रवार को भी इन इलाकों से पानी निकालने की कवायद जारी थी ऐसे में फिर बारिश आ गई। गुरुवार को हुई बरसात में एयरपोर्ट रोड स्थित खुले नाले में 22 वर्षीय युवक तगाराम मेघवाल की मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी के बाहर धरना देकर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की और मुआवजे की मांग की।

गुरूवार को जोधपुर में बरसात के पानी से गटर लाइन के खुले होल में डूबने से तगाराम मेघवाल की मौत हो गई थी जिसका शुक्रवार को महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम कराने हेतु तगाराम के परिजनों एवं समाज के गणमान्य लोगों ने निगम से आर्थिक सहायता, मृतक के परिवार में से एक व्यक्ति को संविदा पर नौकरी व अन्य मांग की। वार्ता के लिए नगर निगम दक्षिण महापौर वनीता सेठ पहुंची और मृतक के परिजनों को सांत्वना देते हुए परिवार के एक व्यक्ति को निगम में संविदा पर नौकरी व एक डेयरी बूथ की दुकान देने की घोषणा कर मृतक के पिता नरपतराम को 20 लाख रुपये का चेक सौंपा तथा 10 लाख रुपये और देने की घोषणा की, उसके बाद मृतक का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंपा गया।

धौलपुर के कई क्षेत्रों में हुई बारिश लोगों के लिये आफत बनी

- बरसात के पानी का भराव होने से कई जगह पक्की दीवारें धराशाही हुई
- गाड़िया लुहारों की झुग्गी झोपड़ियां जलमग्न होने से काफी समस्या गहराई

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर जिले के बसई नवाब क्षेत्र भर में हुई जोरदार बारिश कहीं राहत तो कहीं आफत बनी हुई है। बसई नवाब में नालों की सफाई नहीं होने से बरसात का पानी लोगों के लिए आफत बन गया है। नालों की सफाई नहीं होने से जाटव बस्ती सहित मनियां सड़क मार्ग पर चारों ओर बरसात के पानी का भराव होने से कई जगह पक्की दीवार धराशाही हो गई। वहीं गाड़िया लुहारों की झुग्गी झोपड़ियां जलमग्न होने से काफी समस्या गहरा गई है।

तेज बारिश के बीच जाटव बस्ती के राजेंद्र पुत्र तुलाराम, आकाश और हेमंत के घर के बाहर डला टीन सैट भरभरा कर जा गिरा। इस दौरान टीन सेट के नीचे सो रहे परिवार की एक महिला बेवी पत्नी मुनीष सहित कई सदस्य घायल हो गए। वहीं मुकेश जाटव की मकान की दो पट्टियां टूट गई। इधर मानसून की पहली जोरदार बारिश ने ठाम पंचायत बसई नवाब में व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है। कल्याण सिंह सहित अन्य लोगों का आरोप है कि ग्राम पंचायत की ओर से बारिश से पूर्व नालों की सफाई नहीं कराई गई है। ऐसे में नालों की सफाई नहीं होने से निकासी अवरुद्ध बनी हुई है। जिससे चारों ओर पानी ही पानी नजर आ रहा है।

वहीं धौलपुर के राजाखेड़ा में पहली मानसून की बारिश ने फिर एक बारनगरपालिका के दावों की पोल खोल दी है। जिसके कारण गुरुवार रात में हुई बारिश ने राजाखेड़ा की गलियों को जलमग्न कर दिया। जिससे आमजन को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। गुरुवार-शुक्रवार की रात मानसूनी बारिश होने के कारण राजाखेड़ा नगरपालिका क्षेत्र के वार्ड 9 के अलावा अन्य गलियां तालाब बन गईं। जिसके कारण वार्ड निवासी घर से भी नही निकल पाए। शुक्रवार सुबह कॉलोनी में रह रहे लोगों का आक्रोश फूट गया और एकत्रित हो गए, जिन्होंने नगरपालिका प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया।

कुएं में युवक का शव मिला

मालपुरा, (निसं)। डिग्गी थाना क्षेत्र के कलमंडा सड़क मार्ग पर गुरूवार की देर रात्रि को कुएं में एक युवक का शव मिला। थानाधिकारी कप्तान सिंह ने बताया कि सूचना पर तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंच शव को कुएं से निकाल डिग्गी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। शव की पहचान डूंगरी कलां निवासी शंकर बागरिया के रूप में की गई।

पुलिस अधीक्षक ने बजरी माफिया के खिलाफ कार्रवाई की

बौंली-बामनवास, (निसं)। सवाई माधोपुर पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता ने शुक्रवार को लालसोट- कोटा मेगा हाईवे मलारना चौड व टोंड के पास अचानक पुलिस टीम के साथ पहुंचकर अवैध बजरी खनन व परिवहन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। इस दौरान एसपी ने मौके से चार ट्रेलर अवैध बजरी से भरे जब्त कर मलारना डूंगर थाने में भिजवाए, वहीं अन्य वाहन बजरी खाली कर फरार हो गए।

मलारना डूंगर थाना अंतर्गत लालसोट-कोटा मेगा हाईवे पर भाड़ोती व मलारना चौड पुलिस चौकी होते हुए भी अवैध बजरी खनन व परिवहन की लगातार शिकायतें आती रहती है। 23 जून की रात को कृषि मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा ने रसूलपुरा गांव पहुंचकर मौके से अवैध बजरी से भरे वाहनों को पकड़कर एसपी ममता गुप्ता को मौके पर बुलाया था। गुरुवार को भी हाईवे पर अवैध बजरी परिवहन होता रहा। इस शिकायत के बाद शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता ने एक्शन लिया एवं मय टीम के मौके पर पहुंचकर बजरी खनन व परिवहन माफिया के खिलाफ कार्रवाई की। इस कार्रवाई के दौरान मलारना डूंगर थाना प्रभारी, भाड़ोती व मलारना चौड चौकी प्रभारी को जमकर लताड़ा व भविष्य में ध्यान रखने की हिदायत दी।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ झुंझुनूं के किठाना गांव पहुंची। किठाना गांव में अपने निजी आवास पर उन्होंने ग्रामीणों से मुलाकात की। इस मौके पर भाजपा नेता राजेंद्र भांबू समेत अन्य ग्रामीणों ने डॉ. सुदेश धनखड़ का चुनरी ओढाकर स्वागत किया। इस मौके पर भांबू व ग्रामीणों ने क्षेत्र के विकास को लेकर उनके साथ चर्चा की। इसके अलावा समस्याओं के समाधान को लेकर भी बातचीत की। डॉ. सुदेश धनखड़ ने इस मौके पर कहा कि, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ आज भी झुंझुनूं के विकास के लिए सोचते रहते हैं। झुंझुनूं के विकास और उत्थान के लिए जो भी सुझाव हैं। समय-समय पर उनके पास पहुंचते हैं। जिन पर वे व्यक्तिगत रूचि रखते हुए काम करते हैं।

अनुपस्थित रहे 10 अभ्यर्थियों को अंतिम अवसर

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा राजस्व अधिकारी ग्रेड-द्वितीय एवं अधिशाषी अधिकारी वर्ग-चतुर्थ प्रतियोगी परीक्षा-2022 के तहत आयोजित पात्रता जांच में अनुपस्थित रहे 10 अभ्यर्थियों को अंतिम अवसर प्रदान किया गया है।

इन अभ्यर्थियों को 3 जुलाई सुबह 9.30 बजे आयोग कार्यालय में आवश्यक रूप से उपस्थित होना होगा। विस्तृत सूचना एवं अनुपस्थित रहे अभ्यर्थियों की सूची आयोग वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग के वरिष्ठ उप सचिव अजय चौहान ने बताया कि उक्त परीक्षा के तहत पात्रता जांच के लिए 21 नवंबर 2023 को विचारित सूची जारी कर 11 से 13 दिसंबर 2023 तक काउंसलिंग का आयोजन किया गया था।

महिला कर्मचारी सहित दलाल को रिश्वत लेते पकड़ा

महिला कर्मचारी ठेकाकर्मियों की हाजिरी में 12 अटेंडेंस ज्यादा जोड़कर कमीशन मांगती थी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के मथुरादास माथुर अस्पताल में एसीबी टीम ने महिला कर्मचारी सहित दलाल को रिश्वत लेते हुए पकड़ा है। महिला कर्मचारी ठेकाकर्मियों का हाजिरी रजिस्टर मेंटेन करती थी। कर्मचारियों की हाजिरी में 12 अटेंडेंस ज्यादा जोड़कर कमीशन के रुपए मांगती थी। शिकायत के बाद एसीबी की टीम ने शुक्रवार को उसे और दलाल को रिश्वत लेते दबोचा है। पकड़े जाने पर महिला कर्मचारी सिर पकड़कर रोने लगी।

एसीबी के डीवाईएसपी गोरधनराम ने बताया कि मथुरादास माथुर अस्पताल में संविदा पर नियुक्त एक कर्मचारी ने शिकायत की थी। उसने बताया था कि, हॉस्पिटल की ईसीजी टेक्नीशियन वैशाली शर्मा ठेका कर्मियों की अटेंडेंस भरती है। उन्होंने एक टेक्नीशियन के तौर पर 27 दिन हॉस्पिटल में काम किया था लेकिन इंचार्ज वैशाली शर्मा ने 40 दिन की उपस्तिथि कर रिकॉर्ड बनाकर पेमेंट पास किया। इसके बाद 12 दिन की हाजिरी ज्यादा लिखने की एवज में कमीशन के 3600 रुपए की मांग की। शिकायत मिलने पर एसीबी ने सत्यापन करवाया, जिसमें रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। टीम ने कार्रवाई करते हुए मथुरा दास माथुर अस्पताल मल्टी लेवल आईसीयू में एक टेक्नीशियन के ऑफिस में कार्रवाई की। परिवादी से रिश्वत के रुपए लेने के बाद वैशाली ने दलाल पीयूष शर्मा को दिए थे। इसके बाद दलाल ने कुछ रुपए उसे दिए। एसीबी ने वैशाली के बैग से 3600 रुपए की राशि बरामद कर दलाल सहित पकड़ा।

दिनदहाड़े बच्चे का अपहरण

हिम्मत दिखाकर अपहर्ताओं के चंगुल से छूटकर बच्चा घर पहुंच गया

श्रीकरणपुर, (निसं)। क्षेत्र के गांव रूपनगर में दिनदहाड़े 12 वर्षीय बच्चे के अपहरण का मामला सामने आया है। मोटरसाइकिल पर मुंह बांधकर आए दो अज्ञात लोगों ने घटना को अंजाम दिया। हिम्मत दिखाकर किसी तरह अपहर्ताओं के चंगुल से छूटकर बच्चा कुछ देर बाद घर पहुंच गया लेकिन घटनाक्रम को लेकर गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने डीएसपी से मिलकर प्रकरण में मुकदमा दर्ज करने व त्वरित कार्रवाई की मांग की।

जानकारी अनुसार ग्रामीणों के साथ आए परिवादी निशान सिंह पुत्र चंद सिंह निवासी चक 50 एफ रूपनगर ने डीएसपी संजीव चौहान को घटनाक्रम की जानकारी दी। परिवादी ने बताया कि मंगलवार दोपहर करीब सवा दो बजे उसका पुत्र करणवीर सिंह (12) घर के चौबारे पर खेल रहा था। इस दौरान घर के दरवाजे के पास मोटरसाइकिल पर आए मुंह बांधकर दो अज्ञात व्यक्ति आए। मोटरसाइकिल की आवाज सुनकर करणवीर ने नीचे देखा तो उन्होंने उसे नजदीक आने का इशारा किया। इस पर वह नीचे उतरकर दरवाजे पर आया तो उन दोनों ने करणवीर का मुंह बंद कर उसे मोटरसाइकिल पर बिठा लिया और नहर के साथ सड़क पर कस्बे की ओर रवाना हो गए। इस दौरान करणवीर ने खुद को छुड़वाने का प्रयास किया तो घर से करीब आधा किमी दूर वह अपहरणकर्ताओं के हाथों से निकलकर नीचे गिर गया। इसके बाद बाद वह नहर पर पड़े फट्टे से खेतों की ओर भाग गया और वहां खेत में ट्रैक्टर जोत रहे किसानों के पास रुका रहा। आधे-पौने घंटे बाद जब वह घर आया तो उसके हाथ व कोहनी पर चोटें लगी थी और उसकी कमीज भी फटी हुई थी। हालांकि, तब उसके परिजन उसे ढूंढ रहे थे। घर आने पर करणवीर ने सारा वाकया अपने परिजन को बताया।

RAJASTHAN HOUSING BOARD

No. RE-X/RHB/JPR/2024-25/163 Date :- 25.06.2024

NIB: RE-X/2024-25/01

Bids for 1. Plantation Work including 5 year O & M of plants at Mahala Scheme Jaipur 2. Annual Maintenance of Community Centre Sector -26, Pratap Nagar Sanaganer Jaipur are invited from interested bidders from 01.07.2024 to 10.07.2024 up to 6:00 PM. Other particular of bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state & https://rhb.rajasthan.gov.in of the department website.

UBN : 1 RHB2425WSOB00051 2. RHB2425WSOB00052

Raj.Samwad/C/24/1427 Resident Engineer, DIV X, Jaipur

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-एफ 3/लेखा/24-25/772-780 दिनांक: 24.06.2024

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या: 03/2024-25

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा की ओर से अनुभवी संवेदकों/सेवा प्रदाता एजेन्सियों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से निम्नांकित 01 कार्य (UIK2425WLOB00143) हेतु ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। कार्य का विस्तृत विवरण, निविदा शर्तें, निविदा बेचने, प्राप्त करने एवं खोलने की दिनांक आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in एवं http:/urban.rajasthan.gov.in/uitkota पर देखा जा सकता है।

राज./संवाद/सी/24/1380 अधिशाषी अभियंता, कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कार्यालय उप निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जालोर

Email:-dio.jlr@rajasthan.gov.in, पता : नर्मदा कॉलोनी, सामतीपुरा रोड, जालोर

क्रमांक / सान्याअवि/2024/440 दिनांक :- 20.06.2024

ई-निविदा सूचना 02/2024-25

कार्यालय उप निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जालोर के अधीन छात्रावासों में चौकीदार व रसोईया जॉब बेसिस पर कार्य कराने हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्यों की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि का सम्पूर्ण विवरण https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है

NIB No-SOC2425A0025

UBN No-SOC2425SLOB00039

DIPR/C/5036/2024 उप निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जालोर

नगर निगम ग्रेटर जयपुर

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, जयपुर

क्रमांक :– जसअ/2023–24/28 दिनांक : 24.06.2024

ई–निविदा सूचना क्रमांक :– 8/2024–25

SUPPLY, DELIVERY AND INSTALLATION OF STATIC COMPACTOR MACHINES, HOOK LOADERS AND CONTAINERS WITH OPERATION & MAINTENANCE AND TRANSPORTATION OF WASTE हेतु पंजीकृत फर्म्स से ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, विस्तृत सूचना एवं शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट www.jaipurmc.org, www.sppp.raj.nic.in and www.eproc.rajasthan.gov.in पर स्टेट पब्लिक प्रोक्यूरमेन्ट के UBN No. JMC2425GLOB00136 पर देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/24/1293 उपायुक्त (गैराज)

Bureau of Investment Promotion Rajasthan

Udyog Bhawan, Tilak Marg, Jaipur

BIP/Info/196 Date: 05.06.2024

Information of Extension of Dates

An addendum has been published regarding the RFP for procurement of services of Creative Design Partner from reputed, interested, eligible and experienced Professional firms for Bureau of Investment Promotion, Jaipur (a Government of Rajasthan undertaking). The date for online submission of bid has also been extended upto 2:00 PM of 12.07.2024. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portals: (http://eproc.rajasthan.gov.in) and (http://sppp.raj.nic.in) of the state.

UBN No. BIP2425SLOB00004

Raj.Samwad/C/24/1368 Commissioner (Inv. & NRIs)

आमेर विकास एवं प्रबन्धन प्राधिकरण

पुरानी विधानसभा भवन, हवामहल के पास, जयपुर

टेलीफोन नम्बरः 0141–2600032 ई–मेल आई.डी. adma.jaipur@gmail.com

क्रमांकः कार्य निदेशक/एडमा/लेखा/2024–25/731 दिनांकः 25.06.2024

ई–बिड संख्या–03/2024–25

आमेर विकास एवं प्रबन्धन प्राधिकरण, जयपुर स्थित स्मारकों/संग्रहालयों में विभिन्न 03 कार्यों हेतु राज्य सरकारों/केन्द्र सरकार/निगमों/बोर्ड कार्यालयों में सक्षम/निर्धारित श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से द्विभागीय खुली बिड ई–प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया के माध्यम से ऑनलाईन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर आमंत्रित की जाती है जिनका विस्तृत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है, जो देखी व पढ़ी जा सकती है। (ई–बिड संख्या–03/2024–25 की कुल लागत राशि रूपये 160.19 लाख) NIB ADA2425A0003

बिड यू.बी.एन. नम्बर :– 1. ADA2425WSOB00006 2. ADA2425WSOB00007 3. ADA2425WSOB00008

राज.संवाद/सी/1375/2024–25 कार्यकारी निदेशक (कार्य)

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लि.

(राजस्थान सरकार का उपक्रम)

एसबीयू एण्ड पीसी– रॉक फॉस्फेट, झामरकोटड़ा, पी.ओ.– झामरकोटड़ा–313015, वाया एवं जिला– उदयपुर (राजस्थान) ई मेलः– luckybhargava.rsmml@rajasthan.gov.in

ई–निविदा सूचना दिनांक 25.06.2024

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
E-Tender No. 03/24-25 दिनांक 19.06.2024 खोलने की दिनांक 10.07.2024 UBN No. MML2425GLOB00042	सप्लाई ऑफ एम एस इ आर डब्ल्यू ब्लैक स्टील पाइप, अनुमानित राशि 19,75000/–, धरोहर राशि 39,500/– निविदा प्रपत्र मूल्य 1180/– प्रोसेसिंग राशि 1000/–
E-Tender No. 04/24-25 दिनांक 19.06.2024 खोलने की दिनांक 10.07.2024 UBN No. MML2425GSOB00043	सप्लाई, इंस्टालेशन, टेस्टिंग एंड कमीशनिंग ऑफ एल टी स्टार डेल्टा स्टार्टर पैनल सेट, अनुमानित राशि 8,00,000/–, धरोहर राशि 16,000/– निविदा प्रपत्र मूल्य 1180/– प्रोसेसिंग राशि 1000/–
E-Tender No. 05/24-25 दिनांक 19.06.2024 खोलने की दिनांक 10.07.2024 UBN No. MML2425GLOB00044	सप्लाई इंस्टालेशन, टेस्टिंग एंड कमीशनिंग ऑफ 3 पोल, 145 केवी, एस एफ 6 सर्किट ब्रेकर, अनुमानित राशि 10,78,000/–, धरोहर राशि 21,600/– निविदा प्रपत्र मूल्य 1180/– प्रोसेसिंग राशि 1000/–

विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com/ www.sppp.rajasthan.gov.in, अथवा उप महाप्रबंधक (मटेरियल मैनेजमेंट) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/24/1363 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्

भू- तल, ब्लॉक–6, डॉ.एस. राधाकृष्णन शिक्षा संकुल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर।

फोन नं: 0141–2700459 E-Mail:- RAJSMSA.CIVIL@RAJASTHAN.GOV.IN

क्रमांकः– F-5(1)(260)RCSCE/Civil /SMSA/NIT 04 2024-25 /2024/Vol-2/D-2123 दिनांकः 26.06.2024

ई–निविदा सूचना संख्या 04 (सिविल)/2024–25 (राजकीय विद्यालय/केजीबीवी/नेताजी सुभाष चन्द्र बोस हॉस्टल/डाईट/एससीआरटी के निर्माण/मरम्मत कार्यो हेतु)

राज्य एवं केन्द्र सरकार के राजकीय/अर्द्धशासकीय/स्वायत्तशासी निकायों में सक्षम श्रेणी में निर्माण कार्यो हेतु पंजीकृत संवेदकों से समग्र शिक्षा एवं नाबार्ड योजनान्तर्गत स्वीकृत 39 राजकीय विद्यालय/केजीबीवी/नेताजी सुभाष चन्द्र बोस हॉस्टल/डाईट/एससीआरटी के निर्माण/मरम्मत कार्यो हेतु राशि रू. 16583.51 लाख (प्रति कार्य की राशि रूपये 204.46 लाख से 744.73 लाख के मध्य) बाबत् कार्यवार ई–टेण्डरिंग के माध्यम से ई–निविदाऐं 28/06/2024 प्रातः 10.00 बजे से 18/07/2024 को सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

- निविदा से सम्बधित समस्त विस्तृत विवरण वेबसाईट http://rajsmsa.nic.in, http://sppp.rajasthan.gov.in एव http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
- निविदा से सम्बन्धित प्रक्रिया जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा कार्यालय सम्बन्धित जिला के स्तर से की जावेगी।

UBN NO.-RSE2425WLOB00309

राज.संवाद/सी/24/1392 राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा

निदेशक

महानिदेशक, गृह रक्षा, राजस्थान, जयपुर

फोन :- 0141-2612591, फैक्स : 0141-2612592, ई-मेल : store.hghq.ra@rajasthan.gov.in

क्रमांक : निगृर/भण्डार/18/खाली कारतूस/2022-23/-00083/8124498 दिनांक : 24.06.2024

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि गृह रक्षा विभाग में प्रयोगशुदा कारतूसों के खाली खोखों से प्राप्त निम्नांकित धातुओं की सिल्लीयों की खुली नीलामी दिनांक 22.07.2024 को दोपहर 12.00 बजे आलू फैक्ट्री, एमआई रोड़, केन्द्रीय शस्त्र भण्डार गृह रक्षा, जयपुर में नियमानुसार गठित समिति द्वारा की जायेगी

क्र. सं.	धातु का नाम	अनुमानित मात्रा	बोली अमानत राशि (रुपये में)
1	पीतल	7474.01 किग्रा.	50,000
2	तांबा	67.520 किग्रा.	1,000
3	एल्यूमिनियम	53.140 किग्रा.	500
4	सीसा	356.240 किग्रा.	1000
5	खाली बॉक्स लोहा	लगभग 7734.00 किग्रा.	4000
6	केरियर लोहा फ्रेम	लगभग 2331 किग्रा.	
7	ड्रम लोहा (20 लीटर)	लगभग 12.5 किग्रा.	
8	एम.टी. केश 45 बॉल टी.एम.सी. (लोहा)	लगभग 50.00 किग्रा.	

नोट :– नीलामी की विस्तृत शर्ते किसी भी कार्य दिवस को निम्न हस्ताक्षरकर्त्ता के कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा विभागीय वेबसाइट http://www.home.rajasthan.gov.in/homeguards अथवा राजस्थान सरकार के राज्य लोक उपापन पोर्टल (http://www.sppp.rajasthan.gov.in) पर देखी जा सकती है। UBN No.:- HGR2425WSLB00001

(डॉ. विष्णु कान्त) महानिरीक्षक पुलिस, गृह रक्षा, राजस्थान, जयपुर

DIPR/C/5015/2024

पहली बरसात ने नगर निगम व स्मार्ट सिटी के कार्यों की खोली पोल

अजमेर, (कासं)। अजमेर शहर स्मार्ट सिटी के नाम से भी जाना पहचाना जाता है तो वही विश्व पटल पर अजमेर ने धार्मिक नगरी के नाम से भी अपनी पहचान बना रखी है, लेकिन स्मार्ट सिटी किसे कहते है यह तो आप भी जानते है, लेकिन आप जैसे ही अजमेर शहर मे प्रवेश करेगें तो आप स्मार्ट सिटी की हकीकत से रू-ब-रू हो जाएंगे।

वर्ष 2023 में आए बिपरजॉय तूफान व मूसलाधार बरसात ने पूरे शहर को जलमग्न कर दिया था, लेकिन उसके बाद प्रशासन के आला अधिकारियों ने शहर के दौरे किए और कई इलाकों के नालो व नालियों को सुधारने एवं पानी की निकासी के लिए नगर निगम व स्मार्ट सिटी के बंद कमरों में डीपीआर तैयार हुई, कई नालों को तोडकर कार्य चालू हुए, लेकिन एक साल बीत जाने के बाद अजमेर के शहर के कई नालों का न तो निर्माण कार्य पूरा हुआ और न ही साफ-सफाई, यह हम नही कह रहे, यह शहर के लोगों का कहना है।

जून माह के अंत में गुरूवार रात हुई पहली बारसात ने नगर निगम व अजमेर स्मार्ट सिटी के तहत शहर मे भरने वाले बरसाती पानी की रोकथाम के लिए करवाए गए नाले निर्माण व साफ-सफाई के कार्य को पोल खोलकर रख दी है और बीती रात बरसात के दौरान शहर के स्टेशन रोड, कचहरी रोड, जयपुर रोड, रामगंज, मार्टिण्डल ब्रिज के नीचे ब्यावर रोड समेत कई मार्गों पर पानी भरने से रात को ट्रैफिक रेंगते हुए आगे बढ़ा। राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। नालों का गंदा पानी सड़कों पर आ गया, तो नाले गंदगी से अटे पडे है तो वही शहर की नीचली बस्तियां भी बरसात से अछुती नही रही है।

अधूरा पडा नाला निर्माण कार्य हादसो को न्यौता देते हुए।

- **अजमेर शहर की टूटी सड़कों व खुले नालों से आपका सफर जोखिम भरा भी हो सकता है, सफर करे तो आपकी जिम्मेदारी पर!**

खुले नाले मे गिरने से युवक की हुई मौत- गत दिनो कचहरी रोड पर बने नाले मे एक युवक के गिरने से उसकी मौत हो गई। लोगो की सूचना पर मौके पहुंची कोतवाली थाना पुलिस व नगर निगम के अधिकारियो ने जेसीबी की मदद से युवक के शव को बाहर निकलाया गया, हादसे के बाद भी नगर निगम व स्मार्ट सिटी के अधिकारियो ने कोई सबक नही लिया और आज भी कचहरी रोड पर नाला कई जगहो पर खुला पडा है, जो हादसो को न्यौता दे रहे है।

बैठक आयोजित

अजमेर, (कासं)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अजमेर के सचिव अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश महेन्द्र कुमार ढाबी द्वारा तालुका विधिक सेवा समिति पुष्कर में द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों एवं सफल क्रियान्वयन के सम्बन्ध में बैठक ली गई।

बैठक में सचिव ने न्यायिक अधिकारी एवं अधिवक्तागंण आदि को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत पक्षकारों को तीव्र न्याय दिलाने एवं विवादों के स्थायी निराकरण के लिए उपयुक्त माध्यम है। लोक अदालत के माध्यम से छोटे-छोटे विवादों को बढ़ने से रोकने के लिए समय पर सुलझाया जा सकता है। साथ ही सभी अधिवक्तागण को लोक अदालत में समझाइश एवं पक्षकारों द्वारा प्रकरणों के राजीनामा से निस्तारण के लिए प्रोत्साहित एवं प्रेरित करने के लिए भी निर्देशित किया। विशेष रूप से चिह्नित एनआईएक्ट के प्रकरणों में जारी किये गये नोटिसों को शत-प्रतिशत तामील करवाकर काउन्सलिग की जाए। इससे अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण लोक अदालत में हो सके।

बैठक में अध्यक्ष तालुका विधिक सेवा समिति राकेश कुमार, तालुका सचिव कोमल कंवर, बार संघ अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण पाराशर, बार संघ उपाध्यक्ष मुकेश सुनारिवाल व वरिष्ट अधिवक्ता कुलदीप पाराशर, एस.के. चौधरी आदि उपस्थित रहे।

सार-समाचार

पुजारी की लोकसभा अध्यक्ष से भेंट

आसींद, (निसं)। शुक्रवार को भगवान देवनारायण जन्म स्थल मालासेरी डूंगरी मंदिर के मुख्य पुजारी हेमराज पोसवाल की दिल्ली में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात की। लगातार दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष बनने पर पुजारी पोसवाल द्वारा शुभकामनाएं प्रेषित की गई। इस दौरान पुजारी पोसवाल का लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने चांदी का कड़ा पहनाकर स्वागत किया। पुजारी पोसवाल की ओम बिरला से इस अभिनंदन मुलाकात के दौरान राजस्थान सरकार के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर भी उपस्थित रहे। दिल्ली में हुई इस मुलाकात के दौरान मालासेरी डूंगरी विकास कॉरिडोर के विस्तृत एवं सौंदर्यकरण को लेकर भी चर्चाएं हुई। साथ ही वन पर्यावरण मंत्री कैबिनेट भूपेंद्र यादव के पुनः कैबिनेट मंत्री बनने पर पुजारी पोसवाल द्वारा अभिनंदन मुलाकात की गई।

नाबालिग को फुसला कर ले गया युवक

अजमेर, (कासं)। सराना थाना क्षेत्र के निकटवर्ती गांव से 17 वर्षीय नाबालिग के लापता होने का मामला सामने आया है। पीडित् पिता ने गांव के एक युवक पर बहलाफुसला कर भगा कर ले जाने का आरोप लगाया है। पीडित् पिता ने पुलिस में मामला दर्ज कराया है। पीडित् पिता ने कहा कि नाबालिग अपने चाचा के साथ खरीददारी करने पास के ही गांव में गए थी, उसके बाद से ही गायब हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सराना थाने के उपनिरीक्षक व जांच अधिकारी जगदीश प्रसाद से प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के निकटवर्ती गांव गुदलिया (टाटोटी) निवासी पीडित् पिता ने थाने में लिखित शिकायत देते हुए नाबालिग बेटी के गायब होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। दई रिपोर्ट में पीडित् पिता ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी चचेरे भाई के साथ पास के गांव टांटोटी कपड़े व घरेलू सामान खरीदने के लिए गई थी। चचेरे भाई को बाजार से सामान लेने की बात कहकर निकली और वापस नहीं लौटी। पीडित् पिता ने बताया कि नाबालिग पुत्री घर से चांदी की 500 ग्राम कनकती व 250 ग्राम के पायजेब, सोने का बोर व मंगल सूत्र भी पहन कर गई। उन्होंने गांव के एक युवक मुकेश भील पर बहला फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच उपनिरीक्षक जगदीश प्रसाद को सौंपी है। पुलिस नाबालिग की तलाश में जुटी है।

मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव 29 जून को

भीलवाड़ा, (निसं)। मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव 29 जून को प्रदेश के सभी जिलों में मनाया जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में नवनियुक्त लगभग 20 हजार अभ्यर्थियों को संबोधित करेंगे। इस दौरान इन्हें वेलकम किट दी जाएगी। रोजगार विभाग के उपनिदेशक मुकेश गुर्जर ने बताया कि जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम महाराणा प्रताप सभागार भवन टाउनहॉल में आयोजित किया जाएगा। इसके लिए जिले के 477 लाभार्थियों को दूरभाष, ई-मेल व एसएमएस के माध्यम से आमंत्रित किया गया है। इसे वर्चुअल माध्यम से राज्य स्तरीय कार्यक्रम से जोड़ा जाएगा। गुर्जर ने बताया कि कार्यक्रम में भाग लेने वाले युवाओं का कार्यक्रम स्थल पर पंजीकरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिला कलक्टर नमित मेहता ने कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर दिशा निर्देश दिए है। युवाओं के बैठने, पेयजल, जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करने, कार्यक्रम स्थल पर वीडियो वॉल लगाने सहित सभी कार्यों के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए समय पर तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए है।

आलोक अग्रवाल ने संभाला कार्यभार

अजमेर, (कासं)। भारतीय रेल की भंडार सेवा के 1991 बैच के वरिष्ठ अधिकारी आलोक अग्रवाल ने आज मंडल कार्यालय में मंडल रेल प्रबंधक अजमेर का कार्यभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने निवर्तमान मंडल लेकर प्रबंधक राजीव धनखड़ से यह पदभार ग्रहण किया। रेलवे बोर्ड के आदेश अनुसार आलोक अग्रवाल अपने वर्तमान पद मुख्य सामग्री प्रबंधक उत्तर पश्चिम रेलवे के अलावा मंडल रेल प्रबंधक अजमेर का कार्य भी देखेंगे। मंडल रेल प्रबंधक आलोक अग्रवाल को 32 वर्ष की रेल सेवा का लंबा अनुभव है। पूर्व में इनके द्वारा अपर मंडल रेल प्रबंधक कोटा तथा मंडल रेल प्रबंधक समस्तीपुर के पद पर भी कार्य किया गया है।

संवाद 29 जून को

अजमेर, (कासं)। अतिरिक्त जिला कलैक्टर ज्योति ककवानी ने बताया कि शनिवार 29 जून को जवाहर रंगमंच में मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस मेले में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा वर्चुअली जुड़कर राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में नव नियुक्त युवाओं से संवाद करेंगे। अजमेर जिले के 450 नवनियुक्त युवा वीसी के माध्यम से जुड़ेंगे।

जनसुनवाई में विधायक ने दी अधिकारियों को सख्त हिदायतें

सरवाड़, (निसं)। सरवाड पंचायत समिति सभागार में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें विधायक शत्रुघ्न गौतम ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की।

मुख्य उद्देश्य समय पर काम करने और आमजन की समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करना था विधायक गौतम ने विकास कार्यों में लापरवाही बरतने पर भगवानपुरा के सचिव को कड़ी फटकार लगाई और उन्हें नियमित रूप से पंचायत में बैठने के निर्देश दिए उन्होंने सभी गांवों में बरसात के मौसम में नालों की सफाई कार्य को नियमानुसार सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए भाटोलाव ग्राम के विकास अधिकारी के पंचायत मुख्यालय पर नियमित रूप से उपस्थित नहीं होने और कार्य में लापरवाही बरतने पर विधायक गौतम ने उन्हें निलंबित करने के निर्देश दिए।

बैठक में उपखंड अधिकारी गुरु प्रसाद तंवर तहसीलदार रणछोड़ लाल विकास अधिकारी त्रिलोकराम दहिया, सरवाड थाना प्रभारी सत्यवान मीणा सराणा थाना प्रभारी विजय मीणा सहित कई विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे विधायक गौतम ने सड़क, बिजली, पानी आदि की समस्याओं को सुनकर व संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द समाधान करने के निर्देश दिए वहीं पंचायत समिति की 26 ग्राम पंचायतों की जनसुनवाई कार्यक्रम में जनता ने अपनी समस्याओं को खुलकर रखा व अधिकारियों ने उनकी समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया।

अजमेर नाट्योत्सव 29 एवं 30 जून को

अजमेर, (कासं)। अजमेर नाट्योत्सव के अन्तर्गत शनिवार तथा रविवार को विभिन्न नाटकों का मंचन किया जाएगा। आधुनिक नाट्य कला संस्थान के सचिव लाखन सिंह ने बताया कि दो दिवसीय बाल एवं युवा नाट्य समारोह अजमेर नाट्योत्सव 29 तथा 30 जून को होगा।

यह नाट्योत्सव सूचना केन्द्र में रखा गया है। नाटक मंचन प्रतिदिन सायं 6.30 बजे होगा। शनिवार को लघु बाल नाटक कुक्डूकू तथा सामाजिक हास्य प्रस्तुति नाटक में नाटक पश्चाताप मंचित होंगे। इसी तरह रविवार को लघु नाटक बीवी का किडनैप तथा राजस्थानी हास्य नाटक भेळी बात प्रस्तुत होंगे। भेळी बात नाद संस्था जयपुर की प्रस्तुति है। नाट्योत्सव की अध्यक्षता डॉ. हरबंस सिंह दुआ तथा संयोजन नरेन्द्र भारद्वाज का है।

अजयमेरू खेल महाकुंभ के लिए नीरज जैन ने ली बैठक

अजमेर, (कासं)। सम्राट पृथ्वीराज चौहान अजयमेरू खेल महाकुंभ 2024 के आयोजन के तैयारियों के लिए बैठक उप महापौर नीरज जैन ने इंडोर स्टेडियम में ली गई। उप महापौर द्वारा उद्घघाटन समारोह की सभी व्यवस्थाओ का जायजा लिया गया, बैठक में क्रीड़ा भारती एवं सभी 19 खेलो के खेल विशेषज्ञ एवम पार्षद गण शामिल हुए। बैठक में नीरज जैन द्वारा सभी खेल प्रभारियों को तैयारी हेतु दिशा निर्देश प्रदान किए गए एवम सभी से आयोजन को बेहतर बनाने के लिए चर्चा की गई। खिलाड़ियों के ऑनलाइन एवम ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन की सूची संकलित की गई। जो खेल 30 जुलाई को आयोजित होंगे उसके ड्राज 29 जुलाई को डालने के लिए निर्देश प्रदान किए गए। प्रतियोगिता का भव्य उद्घघाटन समारोह 30 जुलाई को शाम 6 बजे पटेल स्टेडियम में किया जाना तय किया गया, 30 को ही 19 में से 5 खेल योगासन, बैडमिंटन, वाली बॉल, शूटिंग और फुटबॉल की प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। उपमहापौर में बैठक के बाद सभी मैदानों का निरीक्षण किया एवम तैयारियों के लिए उचित दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में नेता प्रतिपक्ष द्रौपदी कोली, पार्षद श्रवण कुमार, देवेंद्र सिंह, पृथ्वी सिंह, लक्ष्मी बुन्देल के साथ अमित टाक, विक्रम तम्बोली उपस्थित रहे।

तैयारियों के लिए बैठक उप महापौर ने इंडोर स्टेडियम में ली।

प्रीमियर लीग का आयोजन आज

अजमेर, (कासं)। आजादी के आन्दोलन में शहीद हुए जीनगर समाज के बीरबल सिंह दालिया की स्मृति में जीनगर समाज द्वारा शनिवार को एक दिवसीय जीनगर प्रीमियर लीग बाक्स क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसमें पांच टीमे जीनगर सीनियर स्टार, जीनगर क्रिकेट क्लब, जीनगर सुपरकिंगस, जीनगर रॉयल वारियर्स एवं जीनगर राइसिंग स्टारस भाग ले रही है। ये सभी टीमे आईपीएल की तर्ज पर बाक्स क्रिकेट ग्राउण्ट मर्णिकर्णिका पैलेस पुष्कर रोड़ पर खेलेगी।

जीनगर प्रीमियर लीग की मुख्य विशेषता है कि समाज के बन्धु इस लीग में, दादा-पोते के साथ, नाना-नाती के साथ, मामा भान्जे के साथ, ससुर अपने जवांई के साथ मैच खेलेंगे। महिलाएं इनका उत्साह वर्धन करेगी। इसमें मुख्य अतिथि राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी व अध्यक्ष अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल व समाज के प्रमुख प्रबुद्वजन रहेंगे।

सरवाड़ नगर पालिका में लाखों का घोटाला

सरवाड़, (निसं)। सरवाड़ नगर पालिका में लाखों रुपए के घपले का मामला सामने आया है। ठेकेदार के नाम से जारी किए गए लाखों रुपए किसी ओर के अकाउंट में जमा कराकर ये गड़बड़झाला किया गया है फिलहाल दो मामले सामने आए है, जिनका भुगतान करीब 20 लाख रुपए से ज्यादा है बताया जाता है कि एक अकाउंट नगर पालिका के कनिष्ठ लिपिक के नाम का है जिस ठेकेदार के नाम से भुगतान जारी हुआ उससे बात की तो उसका कहना रहा कि उसे कोई भुगतान जारी नहीं हुआ, ठेकेदार के नाम से जारी हुआ भुगतान नगर पालिका की ओर से भुगतान सफाई ठेका व भवन निर्माण करने वाले ठेकेदार की फर्म विनायक एन्टरप्राइजेज के नाम से जारी किए गए है। ये दोनों भुगतान अलग अलग बैंक अकाउंट में जमा हुए है।

पहला भुगतान 5 फरवरी को जारी हुआ, जो 9 लाख 13 हजार 629 रुपए का था, दूसरा भुगतान 9 फरवरी को जारी हुआ, जो 11 लाख 32 हजार 709 रुपए का है। इन दोनों भुगतान के ऑर्डर पर नगर पालिका चेयरमेन छगनकंवर व ईओ राघवसिंह के हस्ताक्षर हैकोई भुगतान नहीं हुआ विनायक एन्टरप्राइजेज के प्रो. गोविन्द शर्मा ने कहा कि उन्हें भी आज ही पता चला है कि उनके नाम से भुगतान जारी हुआ है। लेकिन इस लेटर के अनुसार जो भुगतान जिसके खाते में जमा हुआ है, वह फर्म का अकाउंट नहीं है फर्म को कोई भुगतान नहीं हुआ है फिलहाल मामले की नहीं है जानकारी इस मामले में जब कार्यवाहक ईओ व तहसीलदार रणछोड़ लाल से सम्पर्क किया तो उनका कहना रहा कि फिलहाल ऐसा कोई मामला उनकी जानकारी में नहीं है वे पता करेंगे।

- **ठेकेदार के नाम जारी भुगतान किसी ओर के खाते में हुए जमा, अधिकारी अनजान**

वृद्धाश्रमों का किया निरीक्षण

अजमेर, (कासं)। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण महेन्द्र कुमार ढ़ाबी ने अपना घर वृद्धाश्रम तथा जय अम्बे सेवा समिति वृद्धाश्रम का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

अवेयरनेस मॉड्यूल फोर सीनियर सिटीजन के तहत अपना घर वृद्धाश्रम पुष्कर तथा जय अम्बे सेवा समिति वृद्धाश्रम कायड़ का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संस्था में स्टाफ की स्थिति, वृद्धजन को दी जाने वाली सहायता, चिकित्सकीय सुविधा, फर्स्ट एड बॉक्स की व्यवस्था, कुशल परामर्शदाता, स्नानागार, पर्याप्त ओढने-बिछाने की व्यवस्था, वृद्धजन के दैनिक उपयोग की वस्तुओं की उपलब्धता, भोजन की व्यवस्था आदि के संबंध में पूछताछ कर जांच की गई। साथ ही अवेयरनेस मॉड्यूल फॉर सीनियर सिटीजन अभियान के तहत वरिष्ठ नागरिकों के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत दिए जाने वाले अनुदान, आर्थिक सहायता एवं पेंशन आदि के संबंध में जानकारी दी।

स्थाई एरियर रिव्यू कमेटी की बैठक

अजमेर, (कासं)। राजस्व न्यायालयों एवं अधीनस्थ न्यायालयों में वर्षों से लम्बित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के लिए गठित स्थाई एरियर रिव्यू कमेटी की बैठक शुक्रवार को सम्भागीय आयुक्त महेश चन्द्र शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

सम्भागीय आयुक्त महेश चन्द्र शर्मा ने कहा कि राजस्व एवं अधीनस्थ न्यायालयों में राजस्व सम्बन्धी प्रकरणों का निस्तारण समय लेने वाला है। इससे परिवादी परेशान होते है। उन्हें राहत पहुंचाने के लिए इन प्रकरणों का त्वरित निस्तारण करें। कालावधि के अनुसार प्रकरणों को वर्गीकृत कर प्राथमिकता तय करें। पुराने प्रकरणों को पहले सुनकर निस्तारित करें। उन्होंने कहा कि 20 वर्षो से अधिक समय से लम्बित प्रकरणों पर विशेष ध्यान दें। इनमें व्यक्तिगत रूचि लेकर कार्य करें। इस प्रकार के प्रकरणों की प्रति सप्ताह सुनवाई सुनिश्चित की जाए। प्रतिदिन कोर्ट लगाने का प्रयास करें। अधिकतम परिवाद निर्णित करने का लक्ष्य रखकर कोर्ट में बैठने से कार्य में तेजी आएगी। निर्णित प्रकरणों की आदेशिका स्वयं तैयार करें। यह अति आवश्यक है। न्यायालय के नोटिस की तामिली बढ़ाई जाए। इसके लिए अतिरिक्त संसाधन भी लगाएं। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर भी नियमित राजस्व अधिकारियों की बैठक लें। इसके एजेण्डा में भू-सम्परिवर्तन, कोर्ट कैसेज तथा दस्तावेज भिजवाने को प्रमुखता दी जाए। जिला स्तरीय अधिकारी क्षेत्र में निरीक्षण पर नियमित जाएं। अपने निरीक्षण के दौरान राजस्व प्रकरणों के निस्तारण की भी समीक्षा करें। पुराने प्रकरणों की पत्रावलियों का अवलोकन कर देरी होने के कारण का निवारण करावें।

- **परिवादी को राहत पहुंचाने के लिए प्रकरणों का त्वरित निस्तारण करें**

जीप ने सामने से आ रही बाइक को टक्कर मारी

मकराना, (निसं)। मकराना में एक कमांडर जीप ने सामने से आ रही बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में जीप बाइक को 20 मीटर तक घसीटती हुई ले गई। जिससे बाइक सवार तीन लोग घायल हो गए। वहीं एक युवक की मौत हो गई। घटना नाका बस्ती से आगे शुक्रवार सुबह 9.40 की है।जानकारी के अनुसार मकराना से मंगलाना की तरफ जा रही एक कमांडर जीप ने सामने से आ रही बाइक को टक्कर मार दी। जीप बाइक को 20 मीटर तक घसीटती हुई ले गई। जिससे बाइक सवार मंगलाना निवासी राजू (23) पुत्र बिरमा भोपा, पायल (8) पुत्री विक्रम, बिरजुडी (24) पत्नी विक्रम और भेंरू (18) पुत्र दुर्गा भोपा गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घायलों को आसपास के लोग एंबुलेंस से परबतसर के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। जहां पर इलाज के दौरान राजू भोपा की मौत हो गई। वहीं तीन घायलों को गंभीर हालत में अजमेर रेफर कर दिया। वहीं हादसे के बाद जीप चालक गाड़ी को छोड़कर मौके से फरार हो गया।पुलिस थाने के ड्यूटी ऑफिसर जगदीश कुमार ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस अस्पताल पहुंची और घायलों के बयान लिए। इस दौरान घायल पायल का एक पैर बुरी तरह जख्मी हो गया। बिरजुड़ी की हालत गंभीर है और वह बेहोश है। भैरू का भी एक पैर फ्रेक्चर हो गया।

बिजयनगर में झमाझम बरसात से कई जगह जल भराव हुआ

तेज बारिश ने पालिका प्रशासन की व्यवस्थाओं की पोल खोली

बिजयनगर, (निसं)। शुक्रवार शाम लगातार दूसरे दिन हुई झमाझम बरसात से नागरिकों को भीषण गर्मी और उमस से राहत मिली। गुरुवार को करीब तीन इंच से अधिक बरसात हुई, इससे आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के किसानों ने राहत महसूस की।

शहर में बापू बाजार, महावीर भवन, लक्ष्मी नारायण मंदिर, कृषि मंडी चौराहा, प्राइवेट बस स्टैंड, नाडी मोहल्ला, सिंधी कॉलोनी, राज नगर, तारों का खेड़ा, सुभाष नगर सहित विभिन्न जगहों में बरसात के पानी की समुचित निकास व्यवस्था नहीं होने से शहर में कई जगह पर जल भराव होने से नागरिकों को परेशानी उठानी पड़ी। गुरुवार शाम हुई तेज बारिश ने पालिका प्रशासन की व्यवस्थाओं की पोल खोल कर रख दी।

पालिका प्रशासन द्वारा बरसात से पूर्व शहर के निकास नालों की सफाई नहीं होने के कारण जगह-जगह बरसात का पानी जमा हो गया जिसके कारण नागरिकों को परेशानी उठानी पड़ी। गुरुवार देर रात तेज बारिश के चलते जगह-जगह हुए जल भराव का जायजा लेने उपखंड अधिकारी मसूदा बाढ़ राहत प्रभारी दीपेंद्र सिंह शेखावत शास्त्री कॉलोनी सहित विभिन्न जगहों पर पहुंचे।

नगर पालिका के स्वास्थ्य निरीक्षक रोहित कुमार, जेसीबी चालक भागचंद, जमनालाल, परमेश्वर मय टीम के साथ शास्त्री कॉलोनी, सिन्धी कॉलोनी सहित कई जगह बरसात पानी की निकासी के प्रबन्ध किये। नागरिकों ने पालिका प्रशासन से शहर के पानी के निकास नालों की सफाई करवाने, पानी के क्षतिग्रस्त निकास नालों का शीघ्र निर्माण करने की मांग की है।

- **तेज बारिश के चलते जगह-जगह हुए जल भराव का जायजा लेने उपखंड अधिकारी मसूदा बाढ़ राहत प्रभारी दीपेंद्र सिंह शेखावत शास्त्री कॉलोनी सहित विभिन्न जगहों पर पहुंचे**

बरसात से बापू बाजार बना जलाशय।

निरीक्षण किया

पुष्कर, (निसं)। शुक्रवार को पुष्कर दौरे पर रहे पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने पुष्कर के निकट पैतृक गांव नांद पहुंचे और नांद के कॉलेज का निरीक्षण किया और आत्मीयता के साथ विद्यार्थियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को जाना। उन्होंने विद्यार्थियों को आश्वस्त किया कि उनकी जो भी समस्या है, राज्य सरकार से जल्द उनकी समस्या का समाधान कराया जाएगा।

इस दौरान पूर्व अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने कॉलेज की निर्माणाधीन बिल्डिंग का निरीक्षण किया और कॉलेज के प्रिंसिपल संजय जैन से कॉलेज बिल्डिंग निर्माण संबंधी प्रगति की जानकारी हासिल की। साथ ही बिल्डिंग बना रहे ठेकेदार से भी निर्माण संबंधी जानकारी ली और निर्माण में किसी प्रकार से लापरवाही नहीं बरतने में निर्देश दिए। पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने बताया कि गांव नांद के कॉलेज में लगातार विद्यार्थियों का ग्राफ बढ़ रहा है। पिछले साल के मुकाबले इस साल विद्यार्थियों की संख्या में काफी इजाफा हुआ है, जो इस कॉलेज के लिए बड़ी उपलब्धि की बात है।

इस कॉलेज में आस पास के गांवों और कस्बों के छात्र और छात्राओं को बेहतर शिक्षा मिल रही है। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान कॉलेज में स्टाफ की कमी सामने आई। स्टाफ की कमी को दूर करने के लिए और जल्द कॉलेज की नई बिल्डिंग बनाए जाने के लिए मुख्यमंत्री भजन लला शर्मा और उच्च शिक्षा मंत्री व उप मुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा से विशेष आग्रह करेंगे।

18वां सांख्यिकी दिवस समारोह कार्यशाला आज

अजमेर, (कासं)। प्रोफेसर प्रशांतचन्द्र महालनोबिस द्वारा सांख्यिकी क्षेत्र में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान के उपलक्ष्य में उनकी जयंती पर 18वां सांख्यिकी दिवस समारोह कार्यशाला के रूप में शनिवार को सुबह 9.30 बजे से जिला कलेक्ट्रेट के पीछे स्थित होटल विवान पीनेकल में आयोजित किया जाएगा। आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के संयुक्त निदेशक राम कुमार राव ने बताया कि इस वर्ष का सांख्यिकी दिवस यूज ऑफ डाटा फॉर डिसिजन मैकिंग विषय पर आयोजित किया जाएगा। इसमें जिला प्रशासन के अधिकारियों, जन प्रतिनिधियों एवं सांख्यिकी विभाग के प्रतिनिधियों द्वारा भाग लिया जाएगा। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न सांख्यिकी विषयों पर प्रस्तुतीकरण दिया जाएगा।

आम सूचना

मेरे पति रामदेव पुत्र माधू जाति भील निवासी चौसला की मृत्यु दिनांक 10.7.2000 को मेरे निवास स्थान चौसला में हो गई थी। जिसका पूर्व में इन्द्राज ग्राम पंचायत देवपुरी में नहीं करवाया था। अब मैं मेरे पति रामदेव का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए अरांई तहसील कार्यालय में आवेदन किया है। मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने बाबत जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो 7 दिन में मय दस्तावेज के साथ स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति तहसीलदार के समक्ष प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।

प्रार्थी-मन्दरिया पत्नी रामदेव निवासी चौसला तह. अरांई (अजमेर)

NAME CHANGE

I, MANJULABEN BHAVSINH Spouse of Army No. 14865576H, Rank :-SEP (MT), Name:-VAGHELA BHAVSINH FULSINH, Residing At VILL:- CHAK-LASI, POST:-AJARPURA, TEHSIL:-NADIAD, Dist:-KHEDA, State:- GUJARAT, Pin:-388310 have change my Name from MANJULABEN BHAVSINH to VAGHELA MANJULABEN BHAVSINH vide Affidavit No.BW 247469 Dated 28/06/2024 before Court campus Nasirabad

कार्यालय ग्राम पंचायत मसूदा, पंचायत समिति मसूदा ब्यावर

क्रमांक :- ग्राप / एसबीएम / 2024 / 131

दिनांक - 28.06.2024

ई- निविदा सूचना

ग्राम पंचायत मसूदा में ग्राम पंचायत एवं अधिनस्थ ग्रामों में डोर टू डोर आवासीय एवं गैर आवासीय क्षेत्र से कचरा संग्रहण नाली सफाई एवं ग्रामों के रास्ते पर सफाई मय कचरा निस्तारण कार्य के लिए दिनांक 01.07.2024 से दिनांक 15.07.2024 तक ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से वेबसाइट http://www. rproc. rajasthan. gov.in पर आमंत्रित की जाती है। उपरोक्त निविदा एंव वेबपोर्टल http:www. sppp. rajasthan.gov.in पर विस्तृत विवरण देखा जा सकता है। निविदाएं निविदा खोलने की दिनांक को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष क्रय समिति द्वारा खोली जायेगी । निविदाए आंमत्रित कि जाती है ।

UBN No- ZAJ2425SSOB00103

सरपंच

ग्राम पंचायत, मसूदा पं. स. मसूदा (अजमेर)

मॉल में आग की सूचना पर प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे

असल में डी मार्ट में ये मॉकड्रिल थी, सुरक्षा के इंतजाम जांचे गए

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सुखाड़िया सर्किल स्थित डी मार्ट में शुक्रवार सुबह आग की सूचना पर जिला कलेक्टर नमित मेहता, पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत, नगर परिषद सभापति राकेश पाठक, एएसपी विमल नेहरा, नगर परिषद आयुक्त हेमाराम चौधरी सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के साथ फायर बिग्रेड और एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। मॉल में लगी आग पर समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। ऐसे में अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ ही डी मार्ट प्रबंधन ने राहत की सांस ली। ऐसा हकीकत में नहीं हुआ बल्कि मॉल में असल में मॉकड्रिल कराई गई थी। मॉकड्रिल में सब व्यवस्था माकूल पाई गई। अधिकारी बेहतरीन व्यवस्था से संतुष्ट नजर आए।

मॉल में लगी आग पर समय रहते आग पर काबू पा लिया गया।

जिला कलेक्टर नमित मेहता ने बताया कि फायर सिस्टम, एम्बुलेंस सहित सभी व्यवस्थाएं माकूल रही। आग की सूचना पर तत्काल सभी अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंच गए। डी मार्ट प्रबंधन की ओर से भी फायर सिस्टम सहित अन्य सभी व्यवस्थाएं ठीक से मैनेज की गई। जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने बताया कि सभी विभाग जो नागरिक सुरक्षा से सबंधित है उन सबका कोर्डिनेशन, रेस्पॉस व तैयारी व जांचने के लिए सिक्योरिटी मॉकड्रिल कराई जाती है। इसी क्रम में शुक्रवार को डी मार्ट में मॉकड्रिल करवाई गई। यहां सब व्यवस्थाएं माकूल पाई गई। उधर मॉकड्रिल टीम ने डी मार्ट के सुरक्षा स्टाफ को भी लेकर, किसी आपातकालीन परिस्थितियों, लावारिस (विस्फोटक सामग्री वाली) वस्तु मिलने पर, किस प्रकार से कार्यवाही की जाए एवं जनता की सुरक्षा का ध्यान किस प्रकार रखा जाए आदि बातों का जीवंत अभ्यास कराया गया। साथ ही अधिकारियों द्वारा ऐसी परिस्थिति में आमजन की सुरक्षा के संबंध में भी वहां के स्टाफ से बात की तथा उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए गये।

'सांस्कृतिक मूल्यों को पुनर्स्थापित करने की जरूरत'

अजमेर, (कासं)। राजस्व मंडल अध्यक्ष राजेश्वर सिंह ने कहा कि बदलते परिवेश में सामाजिक समरसता को पुन: स्थापित करने के लिए सद्व्यवहार, मृदुलता, सरलता व विनम्रता व परस्पर सहयोग के गुणों को आत्मसात करने की आवश्यकता है। वे शुक्रवार को राजस्व मंडल सभागार में मंडल की राविरा शाखा में पदस्थापित जमादार बाबूलाल शर्मा के सेवानिवृत्ति समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आदर्श मानव मूल्य हमारी पुरातन संस्कृति की पहचान है। पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण ने हमारी मौलिक परंपराओं पर विपरीत प्रभाव डाला है। आपसी सौहार्द के लिए समाज के हर व्यक्ति को महती भूमिका निर्वहन करने की आवश्यकता है। समारोह में अध्यक्ष सिंह , निबंधक महावीर प्रसाद, अतिरिक्त निबंधक प्रिया भार्गव, सहायक निदेशक राविरा पवन शर्मा, तहसीलदार शंकर लाल बलाईआदि ने बाबूलाल शर्मा का साफा, माल्यार्पण, भागवत रहस्य धर्मग्रंथ व पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। विभागीय समिति अध्यक्ष अजय गुर्जर ने शर्मा को शॉल ओढ़ाया। कार्यकम में विभागीय समिति पूर्व अध्यक्ष सुधीर शर्मा व अन्य कार्मिकों ने भी माल्यार्पण किया। संयोजन देवेश बड़ीवाल ने किया।

'पुष्कर के धार्मिक व पर्यटन विकास के लिए किए ऐतिहासिक कार्य'

पुष्कर, (निसं)। जगत पिता ब्रह्मा की नगरी पुष्कर में आज पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने जगत पिता ब्रह्मा जी के दर्शन किए और प्रदेश में अच्छी बारिश और खुशहाली की कामना की। उन्होंने ब्रह्मा जी के दर्शन कर ब्रह्मा मंदिर में जो लिफ्ट बन रही है, उसका निरीक्षण किया। साथ ही राज्य की भाजपा सरकार से पुष्कर का चहुंमुखी विकास कराए जाने की बात कही। लिफ्ट का निरीक्षण करने के बाद पूर्व अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि राजस्थान में जब हमारी सरकार थी, तब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान टूरिज्म फंड से

राजस्थान के कई हिस्सों में ऐतिहासिक कार्य किया और पुष्कर के लिए विशेष कार्य किए गए। जब मेने ब्रह्मा जी के मंदिर लिफ्ट का शिलान्यास किया था, उसका काम भी पूरा हो गया है, लिफ्ट का जल्द उद्घाटन जल्द हो, ताकि श्रद्धालुओं को इसका लाभ मिले। उन्होंने कहा कि पुष्कर में गोवर्धन जी की तर्ज पर परिक्रमा मार्ग का काम आगे बढ़ा है। हमारी सरकार के समय पुष्कर सरोवर के 52 घाटों का जीर्णोद्धार और पुष्कर में पुष्कर सरोवर में नालों का गंदा पनी रोकने के लिए काम किया। वह भी काम लगभग 70꣸ पूरा हो चुका है ।

पुष्कर में पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष ने ब्रह्मा जी के दर्शन किए।

इस काम का भी जल्द उद्घाटन हो। उन्होंने कहा की हमने पुष्कर में पहली बार होली फेस्टिवल का शानदार आयोजन किया था।

भाजपा सरकार को भी सुधार कर फेस्टिवल का आयोजन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पुष्कर में जल भराव की समस्याओं को दूर करने के लिए भी हमारी सरकार ने प्रोजेक्ट बनाकर कार्य किया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पुष्कर के धार्मिक और टूरिज्म के लिए पुष्कर विकास प्राधिकरण बोर्ड बनाया। उन्होंने मीडिया के एक सवाल के जवाब में कहा कि पुष्कर में प्रस्तावित ब्रह्मा कॉरिडोर को जन भावना के अनुरूप बनाए, ताकि स्थानीय निवासियों को किसी प्रकार का आर्थिक नुकसान नहीं हो। उन्होंने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सरकार के कार्यकाल के पुष्कर में जो भी विकास कार्य हो रहे हैं, उनका पूरा करने और जो काम अधूरे रह गए, उनके लिए मुख्यमंत्री भजन लाल और कैबिनेट मंत्री सुरेश सिंह रावत से भी बातचीत की जाएगी।

दिगम्बर जैन समिति के स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम का समापन

अजमेर, (कासं)। विद्यासागर तपोवन में संचालित स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम का समापन आज नीरज जैन उपमहापोर, कंवल प्रकाश किशनानी राज धरोहर संरक्षण प्रोनिति प्राधिकरण के पूर्व सदस्य, ज्योति ककवानी जी ए डी एम पूर्व अल्प संख्यक आयोग की सदस्य लिलियन ठोस ,प्रकाश पाटनी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवम रूपश्री जैन अजमेर संभाग अध्यक्ष दिगंबर जैन महा समिति के सानिध्य में संपन्न हुआ।

सभी प्रशिक्षकों को स्मृति चिन्ह व पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम के संयोजक मनोज मोड़ासिया ने बताया कि बच्चों की हौसला अफजाई के लिए विशेष स्थिति के रूप में हर्षिका बत्रा जिन्होंने राजस्थान को रिप्रेजेंट किया व मिस राजस्थान का खिताब हासिल किया ने सभी शिवर के बच्चों को सर्टिफिकेट दिए गए रूपश्री जैन ने इस शिविर में प्रशिक्षित सभी आयु वर्ग को विशेष रूप से वर्गीकृत कर विभिन्न फेकल्टी प्रतियोगिता कराई ओर बच्चों व महिलाओं को पुरस्कृत किया गया सभी प्रशिक्षकों को अतिथियों के द्वारा स्मृति चिन्ह व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया मुख्यत: साधना धनगसिया, मीना दोषी संजय सेठी,दीपक शर्मा अंजलि पिंकी प्रजापति ने प्रशिक्षण दिया कार्यक्रम में अनुभा बाकलीवाल माह मंत्री सुनीता गंगवाल कोसाध्यक्ष रिंकू सेठी सांस्कृतिक मंत्री शैलजा कुसुम लता जैन की टीमवर्क से कार्यक्रम संपन्न हुआ अजय दोसी राजेंद्र पाटनी विनय गदिया आदि का सहयोग पिछले 5 दिन से बराबर रहा कार्यक्रम के समापन पर अल्पाहार की व्यवस्था की गई।

विशेष ग्राम सभा का हुआ आयोजन

आसीन्द, (निसं)। आसींद उपखंड क्षेत्र की दौलतगढ़ ग्राम पंचायत के अटल सेवा केंद्र में ग्राम पंचायत वासियों ने एकत्रित होकर सामाजिक सुरक्षा पेंशन में बढ़ोतरी एवं लाभार्थियों के खाते में डीबीटी के माध्यम से राशि हस्तांतरित कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा गया वही कार्यक्रम के दौरान विशेष ग्राम सभा का भी आयोजन किया गया। जिसमें सघन वृक्षारोपण, स्वच्छता संबंधित निर्देश, भारतीय न्याय संहिता के नए कानून के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई कार्यक्रम के दौरान सरपंच प्रतिनिधि गोपाल शर्मा, ग्राम विकास अधिकारी यश पुनर ,वार्ड पंच शुभकरण देथा, रणजीत सिंह,छितर मल, भवानी जीनगर कनिष्ठ सहायक जमनालाल, महावीर नायक, लाखन सिंह, सोहन प्रजापत, वनरक्षक अंजलि खटीक, मौजूद रहे।

राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी की बैठक

नागौर, (निसं)। राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी की बैठक शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलेक्टर अरुण कुमार पुरोहित की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें समिति की सदस्य सचिव सुनीता आर्य ने गत बैठक की प्रगति रिपोर्ट से अवगत करवाया। इस दौरान बैठक में अस्पताल के लिए आवश्यक उपकरण खरीदने हेतु प्रस्ताव रखा गया, साथ ही संविदा कार्मिकों का वेतन प्रतिशत बढ़ाने के प्रस्ताव का भी अनुमोदन किया गया। इस दौरान बैठक में चिकित्सा अधिकारियों ने लॉन्ड्री कार्य हेतु पुराने चिकित्सालय भवन में वर्तमान ठेकेदार से कार्य करवाने का निर्णय लेते हुए वर्तमान ठेकेदार को दोनों चिकित्सालय के मध्य आने जाने का टैक्सी किराया अतिरिक्त देने का अनुमोदन किया गया। इस दौरान जिला कलेक्टर ने कहा कि अस्पताल में सोनोग्राफी के लिए आने वाले मरीजों को किसी भी प्रकार की परेशानी ना हो, इसके लिए कमेटी गठित कर पूर्ण मॉनिटरिंग करें। वहीं लेबोरेटरी में जांच करने वाले स्टाफ किसी प्रकार की बहानेबाजी ना बनाएं तथा जितना संभव हो सके, जांच समय पर करना सुनिश्चित करें। उन्होंने अस्पताल में पंखे, कूलर आदि सुचारू रूप से संचालित करवाने के भी निर्देश दिए। साथ ही पार्किंग व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए भी निर्देशित किया। इस दौरान जिला कलेक्टर ने कहा कि अवैध एंबुलेंस चालकों से वार्ता कर उन्हें पाबंद करें तथा बारिश के मौसम को देखते हुए जेएलएन व पुराने चिकित्सालय परिसर में अधिक से अधिक पौधरोपण भी करवाएं। इस दौरान सदस्य सचिव आर्य ने बताया कि पुराने अस्पताल परिसर में मदर एंड चाइल्ड केयर अस्पताल संचालित किया जाएगा।

सार-समाचार

तीन अवैध भवनों को सीज किया

अजमेर, (कासं)। नगर निगम द्वारा शहर में बिना नियमों के बने अवैध निर्माणों पर कार्रवाई लगातार जारी है। शुक्रवार को निगम के अवैध निर्माण शाखा के प्रभारी धर्मेन्द्र आनंद ने बताया कि अभय निर्माण को लेकर कार्यवाही की जा रही है। देहली गेट के नजदीक जयेश मोटवानी के द्वारा निगम स्वीकृति के विरुद्ध जाकर निर्माण कार्य कर कर लिया था जिसको लेकर निर्माणकर्ता न्यायालय में भी गया था, न्यायालय द्वारा अवैध निर्माण पर करवाई नहीं करने के प्रार्थना पत्र को अस्वीकार कर दिया था। मोटवानी द्वारा सेटबैक कवर करते हुए एक तल का अधिक निर्माण कर लिया था। निगम की टीम ने इस निर्माण को चीज कर दिया इसीप्रकार श्री चायवाला विजय चतुर्वेदी ने भी अपनी स्वीकृत के विपरीत जाकर 10 फुट अधिक भूमि पर निर्माण कर रखा था पूर्व मेंइस भवन के द्वतीय तल को सीज किया गया था कनिष्ठ अभियंता द्वारा द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने पर आज संपूर्ण भवनको सीज कर दिया गया। इसी प्रकार कुंदन नगर क्षेत्र में भी पवित्र कोठारी द्वारा जारी स्वीकृति के वपरीत निर्माण कार्य किया जा रहा था। पूर्व में कोठारी के भवन के एक तल को सीज किया गया था।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान 30 को

अजमेर, (कासं)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से आगामी 30 जून से तीन दिन तक चलाए जाने वाले राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान से लोगों में जागरुकता के लिए शुक्रवार को करीब 10 ई-रिक्शा वाहनों को सीएमएचओ डॉ.ज्योत्सना रंगा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है। सीएमएचओ डॉ. रंगा ने बताया कि आगामी 30 जून से तीन दिनों तक चलाए राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान से पूर्व लोगों में जागरुकता लाने के लिए शुक्रवार को 10 ई-रिक्शा वाहनों को रवाना किया है। यह ई-रिक्शा शहर के गली मोहल्लों में घूमकर लाउड स्पीकर के माध्यम से लोगों को जागरूक करेगें। 30 जून को अपने जन्म से लेकर 5 साल तक के बच्चों को अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र या बूथ पर जाकर पल्स पोलियों की खुराक पिलाई जा सकती है। डॉ. रंगा ने बताया कि इसके बाद नर्सेज कर्मचारी डोर-टू- डोर जाकर उन बच्चों को पोलियों की दवा पिलाएगें जो 30 जून को दवा पीने से वंचित रहे।

कुएं से नीलगाय को सुरक्षित निकाला

आसीन्द, (निसं)। आसींद शुक्रवार को आसींद उपखंड के सबलपुरा (दडावट) क्षेत्र में कुएं में वन्य जीव नीलगाय गिर गई इसकी सूचना गांव में ग्रामीण जनों को मिली नीलगाय को कुएं से बाहर निकालने के लिए गांव के युवा टीम द्वारा वन्य जीव नीलगाय को बाहर निकलने का प्रयास किया गया एवं तहसीलदार भंवरलाल सेन से संपर्क किया एवं मार्गदर्शन मिला और वन विभाग द्वारा सहयोग मिला सहायक वनपाल नंदलाल गुर्जर मौके पर पहुंचे। वन्य जीव नीलगाय को कुएं से बाहर निकाला। मौके पर महावीर प्रसाद लोहार, जगदीश चंद्र गर्ग , महादेव गुर्जर , संजय गुर्जर, धर्मी चंद गुर्जर, राजू , चंपालाल, पुनाराम गुर्जर, अशोक कुमार, मुकेश कुमार गर्ग एवं गांव के युवा जन उपस्थित होकर परिश्रम से किया रेस्क्यू सफल रहा।

सांख्यिकी दिवस पर कार्यशाला आज

नागौर, (निसं)। भारतीय सांख्यिकीविद् प्रो.प्रशांत चंद्र महालनोबिस के जन्मदिवस पर आज शनिवार को सांख्यिकी दिवस के अवसर पर आत्मा परियोजना कृषि विभाग के सभागार में प्रात: 10 बजे से कार्यशाला आयोजित होगी। आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग में उप निदेशक राजेन्द्र मेघवाल ने बताया कि 18वें सांख्यिकी दिवस के मौके पर कार्यशाला आयोजित की जायेगी।

जलदाय विभाग के खिलाफ कार्मिकों का गुस्सा फूटा

■ कलेक्टर को सौंपा जल संसाधन मंत्री के नाम का ज्ञापन

अजमेर, (कासं)। अजमेर के जलदाय विभाग द्वारा रेलवे को निर्धारित मात्रा से कम पानी दिए जाने पर रेलवे यूनियन के पदाधिकारियों और कर्मचारियों का आक्रोश फूट पड़ा। शुक्रवार यूनियन के पदाधिकारियों और कर्मचारी रैली के रूप में जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे और जमकर नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। जिला कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित को जलदाय संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत के नाम का ज्ञापन सौंपकर निर्धारित पानी दिए जाने की मांग की।

उत्तर पश्चिम रेलवे मजदूर संघ के मंडल सचिव एसआई जैकब सहित प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने बताया कि विगत 4 माह से जलदाय विभाग द्वारा रेलवे को आवश्यकता की तुलना में बहुत ही कम मात्रा में पानी की सप्लाई दी जा रही है। रेलवे कारखानों, रेलवे अस्पताल, रेलवे स्टेशन, मदार डिपो सहित विभिन्न कार्यालय एवं रेलवे कॉलोनी के लिये प्रतिदिन लगभग 26 लाख लीटर पानी की आवश्यकता है। पिछले 15 दिनों में औसतम प्रतिदिन केवल 09 से 10 लाख लीटर पानी ही दिया जा रहा है।

परिणाम स्वरूप कारखानों, अन्य कार्यालयों एवं रेलवे कॉलोनियों में पानी की अत्यन्त कमी है। यूनियन के मंडल सचिव जैकब ने बताया कि पानी की समस्या को लेकर शुक्रवार को जिला कलेक्टर भारती दीक्षित को जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत के नाम का ज्ञापन सौंपा। जैकब ने जिला कलेक्टर से मांग की कि जलदाय विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए रेलवे को पर्याप्त मात्रा में पानी की उपलब्धता कराया जाएगा।

अस्पताल में पहली बार हुए जटिल ऑपरेशन

अजमेर, (कासं)। जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल के बाद अजमेर संभाग के सबसे बडे जवाहर लाल नेहरू अस्पताल के चिकित्सकों ने पहली बार दो मरीजों के जटिल ऑपरेशन सफलता पूर्वक करके एक नई उपलब्धि अपने नाम दर्ज की है। जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य वीर बहादुर सिंह व अस्पताल अधीक्षक डॉ.अरविंद खरे ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में रूबरू होते हुए कहा कि इस तरह के ऑपरेशन जयपुर के अलावा राजस्थान में कहीं नहीं होते है, लेकिन हमारे यहां न्यूरो विभाग के आचार्य डॉ.सुशील कुमार व ईएनटी विभाग के डॉ दिग्विजय सिंह की टीम ने एक मरीज का जटिल ऑपरेशन करने एवं दूसरे युवक का न्यूरो विभाग की टीम ने सफलता पूर्वक ऑपरेशन करने में एक नया कीर्तिमान रचा है। यह आपरेशन अगर निजी अस्पताल में करवाते है तो एक से ढाई लाख रूपए तक की लागत आती है, लेकिन दोनों मरीजों के यह ऑपरेशन नि:शुल्क करवाए गए है।

आर.एस.आर.डी.सी. की कछुआ चाल, नाले का निर्माण अधूरा, राहगीर परेशान

कचहरी रोड पर नाला बना परेशानी का सबब, निगम अधिकारियों ने लिया जायजा

अजमेर, (कासं)। कचहरी रोड पर बना नाला शहरवासियों के लिए लगातार परेशानी का कारण बनता जा रहा है। पिछले छह माह से राजस्थान स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन नाले की मरम्मत का कार्य कर रहा है, लेकिन अभी तक इसका काम पूरा नहीं हुआ है। इस कारण बरसात के दौरान पानी सडकों पर भर जाता है जिससे स्थानीय लोगों और राहगीरों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

नगर निगम के एक्सईएन रमेश चौधरी, स्वास्थ्य अधिकारी दिलीप भंभानी ने शुक्रवार को नाले का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि नाले की मरम्मत का कार्य अधूरा है और इसके कारण बरसात का पानी सडकों पर बह रहा है। टूटी हुई सडकों और जमा पानी के कारण न केवल यातायात बाधित हो रहा है, बल्कि आस-पास के इलाकों में गंदगी और दुर्गंध भी फैल रही है । स्थानीय दुकानदारों ने बताया कि नाले की मरम्मत कार्य की धीमी गति से वे बेहद परेशान हैं। एक दुकानदार रमेश कुमार ने बताया पिछले छह महीने से यह काम चल रहा है, लेकिन अभी तक पूरा नहीं हुआ है। हर बार बरसात में हमें सडकों पर पानी भरने की समस्या का सामना करना पड़ता है। इस समस्या के समाधान के लिए नगर निगम ने ठोस कदम उठाने का आश्वासन दिया है। नगर निगम अधिकारियों ने कहा जल्द ही आरएसआरडीसी के साथ मिलकर इस समस्या का समाधान करेंगे और नाले की मरम्मत का कार्य जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा।

व्यापारी हो रहे परेशान:- स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि इस समस्या के कारण उनके व्यवसाय पर भी असर पड़ रहा है। ग्राहक पानी और कीचड़ के कारण दुकानों तक पहुंचने में असुविधा महसूस करते हैं, जिससे उनकी बिक्री में गिरावट आ रही है। दुकानदारों ने बताया कि यहां पर आए दिन वाहन चालक दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों एक खानाबदोश युवक नाले में गिर पर उसकी मौत हो गई थी।

'पी.एम. महिलाओं के लिए राजीविका दीदी को लखपति दीदी की ओर कार्य कर रहे हैं'

मसूदा राजीविका सी.एल.एफ. की हुई आम सभा

मसूदा, (निसं)। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद के तत्वाधान में संचालित महिला स्वयं सहायता समूह के ऊपर संचालित कलस्टर लेवल फेडरेशन की वार्षिक आम सभा में 40 ग्राम पंचायत से जुड़ी महिलाए आम सभा में हजारों की संख्या में इक्कग्री हुई महिलाओं द्वारा रेली निकाली जिसमे नायब तहसीलदार मसूदा द्वारा रेली को हरी झंडी दिखाई रैली को रवाना किया विशाल रैली में महिलाएं मंगल गीत गाती व नारे लगाते हुए मसूदा कस्बे के मुख्य मार्ग से होती हुई सभा स्थल पर पहुंची। जहां कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक वीरेंद्र सिंह कानावत साहब ने महिलाओं को संबोधित किया कानावत ने बताया की महिलाओं के सम्मान में हमारे प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री द्वारा दिन रात कार्य कर रहे हैं राजीविका दीदी को लखपति दीदी बनाया जा रहा हे।

मुख्य अतिथि विधायक वीरेंद्र सिंह कानावत साहब ने महिलाओं को संबोधित किया।

मसूदा प्रधान मीनू कंवर राठौड़ ने कहा राज्य सरकार व केन्द्र सरकार महिलाओं को सशक्त करने के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाओं में हुआ 50꣸ आरक्षण में हिस्सेदारी देकर महिला को हर क्षेत्र में सशक्त बनाने का कार्य कर रही है सरकार की मंशा है महिला सुरक्षित देश सुरक्षित आने वाले समय में महिलाओं की भूमिका पुरुषों के बराबर रहेगी महिलाएं भी पुरुष से कम नहीं है । आज महिलाओं का मान हर क्षेत्र में पुरुषों के बराबर लाकर खड़ा कर दिया।और कहा कि में राजीविका दीदी के लिए कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी मेरी जहा भी आवश्यकता हो बताए में आपकी समस्या के समाधान का हर संभव प्रयास करूंगी।

महिला मोर्चा अध्यक्ष मुकेश कंवर सथाना ने महिलाओं का हौसला बढ़ाते हुवे कहा की नारी किसी से कम नही है नारी चिंगारी भी हे नारी फूल भी हे ।जिला प्रबंधक रुचि जैन ने राजीविका का परिचय बताया उपस्थित राजीविका डी.आर. सी.हेड नितेश सुधार,जिला लेखाकार गोपाल सिंह, बी. पि. एम.भिनाय निर्मला मीणा,मसूदा बी. पि. एम.महेश खींची,कलस्टर प्रभारी, सपना टेलर,बबलू बलाई,चंचल पडियार,बालूराम खींची,मंडल अध्यक्ष योगेंद्र सिंह,युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष मनीष जोशी, एस. बी.आई. ब्रांच मेनेजर केशव सिंह,समाज सेवी कालू मारोठिया,अमर सिंह मौजूद रहे कलस्टर प्रभारी मसूदा भरत बारेठ ने ब्लॉक के आंकड़े बताते हुवे सभी अथितियो का आभार व्यक्त किया।

वीर तेजाजी पैनोरमा का निरीक्षण

नागौर, (निसं)। हमारा इतिहास हमारी संस्कृति से विलग नहीं है। हमारी पुरातन संस्कृति और उस समय जनमानस के बीच आदर्श रहे लोकपूज्य महापुरूषों का व्यक्तित्व और कृतित्व युवा पीढ़ी के सामने नए रूप में प्रस्तुत किया जाना जरूरी है। इसी उद्धेश्य से प्रदेश में जगह-जगह बनाए गए पैनोरमा को फिर से मुख्य धारा से लाया जाएगा। यह बात राजस्थान धरोहर संरक्षण एवं प्रौन्नित प्राधिकरण के अध्यक्ष औंकारसिंह लखावत ने नागौर में गणमान्यजनों से हुई वार्ता में कही।

प्राधिकरण के अध्यक्ष लखावत शुक्रवार को जिले के पींपासर गांव में जाम्भोजी महाराज के जीवन चरित्र, व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर बनाए गए जाम्भोजी पैनोरमा का निरीक्षण किया। उसके पश्चात लखावत पींपासर से नागौर स्थित अमरसिंह राठौड़ पैनोरमा पहुंचे। यहां उन्होंने स्मारक के विकास को लेकर दिशा-निर्देश दिए। लखावत ने कहा कि राजस्थान में सभी प्राचीन धरोहर और यादगार स्मारकों को विकसित किया जाएगा।उन्होंने कहा- महापुरुष किसी दल के नहीं होते, पूरे प्रदेश के होते हैं। नागौर के अमरसिंह राठौड़ के जीवन को पीएचडी के शोध विषयों में शामिल किया गया है। स्कूलों व कॉलेजों के छात्र-छात्राओं को वर्ष में एक बार इन पैनोरमा का भ्रमण करवाना होगा, इसके लिए जिला स्तरीय पर्यटन समिति को निर्देशित किया गया है।

महाविद्यालय के विकास कार्यों को लेकर राज्यपाल मिश्र से की चर्चा

जेएलएन मेडिकल कॉलेज प्राचार्य सिंह व डॉ. माहेश्वरी राज्यपाल से मुलाकात की।

अजमेर, (कासं)। जवाहरलाल नेहरू आयुर्विज्ञान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ वीर बहादुर सिंह तथा डीन एकेडमिक एवं रिसर्च डॉ संजीव माहेश्वरी ने जयपुर स्थित राज भवन में राजस्थान के राज्यपाल महामहिम कलराज मिश्र से मुलाकात की।

मुलाकात के दौरान डॉ वीर बहादुर सिंह ने महाविद्यालय में हो रहे विकास कार्यों के बारे में राज्यपाल मिश्र को विस्तार से बताया जिस पर उन्होंने प्रसन्नता जाहिर की। डॉ सिंह ने चिकित्सालय में किया जा रहे नवाचारों तथा मरीजों को दिए जाने वाले आधुनिक उपचारों के बारे में भी महामहिम को विस्तार से बताया तथा उन्होंने चिकित्सालय में हो रहे उपचार के बारे में भी संतोष जाहिर किया। डॉ संजीव माहेश्वरी ने राज्यपाल को महाविद्यालय में आगामी कुछ दिनों में आयोजित होने वाले वार्षिक समारोह में अध्यक्षता करने के लिए निवेदन किया, जिस पर उन्होंने विचार करने हेतु आश्वस्त किया। डा वीर बहादुर सिंह ने कलराज मिश्र द्वारा राजस्थान यूनिवर्सिटी आफ हेल्थ साइंसेज में किए गए नवाचारों के लिए उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

टर्न लेती पिच पर मोईन अली से गेंदबाजी नहीं करवाना रणनीतिक चूक थी। भारत ने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया और उन्होंने हमारी तुलना में परिस्थितियों से बेहतर सामंजस्य बिठाया। - **जोस बटलर**

इंग्लैंड के कप्तान, सेमीफाइनल में मिली हार पर कहा।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

रोहित शर्मा

रोहित शर्मा ने बतौर कप्तान भारत के लिए अपने 5000 रन पूरे कर लिए हैं और विराट कोहली, एमएस धोनी, अजरुद्दीन और सौरव गांगुली की एलीट लिस्ट में शामिल हो गए हैं। भारत के लिए बतौर कप्तान रोहित से पहले इन चारों खिलाड़ियों ने 5 हजार या उससे ज्यादा रन बनाने का कमाल किया था। भारत के लिए बतौर कप्तान सबसे ज्यादा रन बाने वाले खिलाड़ी विराट कोहली हैं जिन्होंने 12883 रन बनाए हैं तो एमएस धोनी 11207 रने के सात दूसरे नंबर, अजहरुद्दीन बतौर कप्तान 8095 रन बनाए थे जबकि गांगुली ने 7643 रन कप्तान के रूप में बनाए थे।

क्या आप जानते हैं ?... जिम्माब्बे के तातेन्द्र तेबु ने मई 2004 में श्रीलंका के विरुद्ध अपनी टीम की कप्तानी करके सबसे कम उम्र का टैस्ट कप्तान बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

आज मिलेगा टी-20 वर्ल्ड कप 2024 का चैम्पियन

बारबाडोस में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच महाभिड़ंत

टी-20 में 26 मुकाबलों में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 14 बार हराया

भारत जीता तो दूसरी बार तथा दक्षिण अफ्रीका जीता तो पहली बार उठायेगा कप

बारबाडोस, 28 जून। बारबाडोस में शनिवार 29 जून को भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टी20 वर्ल्ड कप 2024 का फाइनल मुकाबला खेला जाना है। भारतीय समयानुसार ये मुकाबला रात 8 बजे खेला जाना है। वहीं भारतीय टीम रोहित शर्मा की अगुवाई में पिछले 11 सालों का सूखा खत्म कर ट्रॉफी अपने नाम करना चाहेगी। जबकि पहले बार फाइनल में पहुंची साउथ अफ्रीकी टीम भी भारत के खिलाफ खिताब जीत कर इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करना चाहेगी।

टी20 वर्ल्ड कप में किस टीम का पलड़ा भारी है? आंकड़े बताते हैं कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 मैचों में भारतीय टीम का पलड़ा भारी रहा है। भारत और साउथ अफ्रीका की टीमें टी20 फॉर्मेट में 26 बार आमने-सामने हुई है। जिसमें भारत ने साउथ अफ्रीका को 14 बार हराया है, जबकि 1 मैचोंमें हार का सामना करना पड़ा है। भारत और साउथ अफ्रीका की टीमें न्यूट्रल वेन्यू पर 2 बार आमने-सामने हुई है। दोनों बार साउथ अफ्रीकी टीम को हार का सामना करना पड़ा है। इस तरह इन आंकड़ों से साफ हे कि टी20 फॉर्मेट में साउथ अफ्रीका के खिलाप भारतीय टीम का दबदबा रहा है, लेकिन ये देखना मजेदार होगा कि फाइनल में क्या होता है?

टीम इंडिया की संभावित प्लेइंग इलेवन में रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव और अर्शदीप सिंह। तथा साउथ अफ्रीका की संभावित प्लेइंग इलेवन में क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), रीजा हेंड्रिक्स, एडेन मार्कराम (कप्तान), हेनरिक क्लासेन, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, मार्को जानसन, केशव महाराज, कैगिसो रबाडा, एनरिक नॉर्टजे और तबरेज शम्सी होंगे।

मैं टी-20 वर्ल्ड कप जीतना चाहता हूं : द्रविड़

बारबाडोस, 28 जून। भारतीय टीम शनिवार को आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 फाइनल मैच के लिए बारबाडोस में जब मैदान पर उतरेगी तो कोच के तौर पर इस टीम के साथ राहुल द्रविड़ का ये आखिरी मैच होगा। द्रविड़ का कार्यकाल बीते नवंबर में वनडे वर्ल्ड कप के बाद ही खत्म हो गया था लेकिन टीम प्रबंधन ने टी20 वर्ल्ड कप तक उन्हें इस जिम्मेदारी निभाने का आग्रह किया था। टी20 वर्ल्ड कप के भारतीय प्रसारक ने सोशल मीडिया पर डू इट फॉर द्रविड़ ट्रेंड कर रहा है। वहीं राहुल द्रविड़ ने इस पर कहा कि, इस वैश्विक खिताब को किसी व्यक्ति के लिए नहीं बल्कि टीम के लिए जीतना चाहते हैं। द्रविड़ के लिए वर्ल्ड कप जीतना कोई व्यक्तिगत गौरव का क्षण नहीं होगा ये टीम की उपलब्धी होगी। उनके मुताबिक भारत अगर वर्ल्ड चैंपियन बनता है तो ये टीम के प्रयास और रोहित शर्मा की प्रेरणादयी कप्तानी का परिणाम होगा। द्रविड़ ने अपने विचारों को साफ करते हुए स्टार स्पोर्ट्स से कहा कि मैं बस अच्छा क्रिकेट खेलना चाहता हूं।

शेफाली का दोहरा व मंधाना के शतक से भारत का पहले दिन का स्कोर 500 के पार

शेफाली वर्मा ने एनाबेल सदरलैंड का रिकॉर्ड तोड़ा, महिला टेस्ट में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने वाली बल्लेबाज बनी

चेन्नई, 28 जून। शेफाली वर्मा (205) के एतिहासिक दोहरे शतक और स्मृति मंधाना (149) की शतकीय पारी के साथ भारत की महिला टीम ने शुक्रवार को एकमात्र टेस्ट मैच के पहले दिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चार विकेट पर 525 रन बनाकर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। आज यहां एम ए चिदंबरम स्टेडियम में भारतीय महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना की सलामी जोड़ी ने बेहतरीन बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए मैदान के चारों ओर शॉट लगाते हुए पहले विकेट के लिये 292 रनों की रिकार्ड साझेदारी की। 52वें ओवर में डेलमी टकर ने स्मृति मंधाना को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। स्मृति ने 161 गेंदों 27 चौकों और एक छक्के की मदद से (149) रन बनाये।

मंधाना के बाद बल्लेबाजी करने आयी सतीश शुभा (15) रन बनाकर पवेलियन लौट गई। 75वें ओवर में रन लेने के प्रयास में शेफाली वर्मा दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रनआउट हो गई। उन्होंने 197 गेंदों में 23 चौके और आठ छक्के लगाते हुए (205) रनों की ऐतिहासिक पारी खेली। जेमिमाह रॉड्रिग्स (55) रन बनाकर आउट हुई। दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने 98 ओवर में चार विकेट पर 525 रन बनाकर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। दिन का खेल समाप्त होने के समय कप्तान हरमनप्रीत कौर नाबाद (42) और ऋचा घोष नाबाद (43) की पर थी। दक्षिण अफ्रीका की ओर से डेलमी टकर को दो विकेट मिले। नडीन डी क्लर्क ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

विराट ने अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन फाइनल के लिए बचाकर रखा है : रोहित

गयाना, 28 जून। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने विराट कोहली का बचाव करते हुए कहा है कि 15 वर्षों तक क्रिकेट खेलने के बाद फॉर्म समस्या नहीं होती, शायद उन्होंने सबसे अच्छा प्रदर्शन फाइनल के लिए बचाकर रखा हैं। इंग्लैंड को सेमीफाइनल में 68 रनों से मात देने के बाद विराट के प्रदर्शन पर पूछे गये सवाल के जवाब में रोहित ने कहा, हम सब उनकी क्लास के बार में जानते हैं। 15 साल खेलने के बाद फॉर्म समस्या नहीं होती। शायद उन्होंने फाइनल के लिए अपने सबसे अच्छे प्रदर्शन को बचाकर रखा हैं। हम एक टीम के रूप में प्रयास कर रहे हैं। फाइनल एक बड़ा अवसर है। स्वयं को शांत रखने से अच्छे फैसले लेने में मदद मिलती है। मुझे लगा कि आज हम एकदम स्थिर थे और घबराए नहीं। हम अपनी पूरा प्रयास करेंगे, टीम अच्छी स्थिति में है। मैं बस इतना उम्मीद कर सकता हूं कि हम फाइनल में अच्छा प्रदर्शन करें। उन्होंने टीम के प्रदर्शन पर कहा, एक टीम के रूप में हमने बहुत मेहनत की और सभी का शानदार प्रदर्शन रहा। हमने परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाल लिया और यही आज की सबसे बड़ी चुनौती थी। अगर गेंदबाज और बल्लेबाज स्वयं को परिस्थितियों के अनुसार ढाल लें तो चीजें आसान हो जाती हैं। एक समय पर हमें ऐसा लगा रहा था कि इस पिच पर 140-150 का स्कोर भी सम्मानजनक स्कोर होगा।

कोपा कप : पनामा ने अमेरिका को हराकर ग्रुप-सी में अपनी उम्मीदें कायम रखीं

अमेरिका, 28 जून जोस फजार्डो के देर से किये गए गोल की बदौलत पनामा ने अमेरिका को गुरूवार रात 2-1 से हराकर कोपा-अमेरिका के क्वार्टरफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदें कायम रखीं। मर्सिडीज-बेंज स्टेडियम में 18वें मिनट में टूर्नामेंट के मेजबान को 10-पुरुषों तक सीमित कर दिया गया था जब टिमोथी वेह को रॉडरिक मिलर पर एक हिंसक चैलेंज के लिए सीधे लाल कार्ड दिखाया गया था।

शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इस झटके के बावजूद, संयुक्त राज्य अमेरिका चार मिनट बाद फोलारिन बालोगुन के माध्यम से आगे बढ़ गया, जिन्होंने एंटोनी रॉबिन्सन के साथ तालमेल के बाद बाएं पैर से शॉट लगाकर गेंद को शीर्ष-दाएं कोने में पहुंचा दिया।

राइट-बैक सीज़र ब्लैकमैन ने 18-यार्ड बॉक्स के बाहर से निचले प्रयास से गोलकीपर मैट टर्नर को हराकर लगभग तुरंत ही बराबरी कर ली। पनामा ने गेंद पर लगभग 75 फीसदी कब्जे को नियंत्रित किया और संयुक्त राज्य अमेरिका की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक पास पूरे किए, जो पीछे बैठकर अपने विरोधियों पर पलटवार करने से संतुष्ट थे।

हालाँकि, मध्य अमेरिकी टीम के पास अन्य विचार थे, और फजार्डो ने अब्दील अयार्ज़ा के पास के बाद 12 गज की दूरी से गोल करके बढ़त दोगुनी कर दी। मैच में एक और मोड़ तब आया जब पनामा के एडलबर्टो कैरासक्विला ने समय से दो मिनट पहले क्रिश्चियन पुलिसिक को गिरा दिया, एक ऐसा अपराध जिसके कारण ह्यूस्टन डायनेमो के मिडफील्डर को सीधे लाल कार्ड मिला।

लेकिन पनामा ने देर से आए दबाव को झेलते हुए टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत हासिल की। थॉमस क्रिस्टियनसेन की टीम अब ग्रुप सी में तीसरे स्थान पर है, उसके अंक उरुग्वे और संयुक्त राज्य अमेरिका के बराबर हैं लेकिन गोल अंतर के कारण तीसरे स्थान पर है।

त्रिशा जॉली-गायत्री गोपीचंद की जोड़ी यूएस ओपन के क्वार्टरफाइनल में

टेक्सास, 28 जून। त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी यूएस ओपन 2024 बैडमिंटन टूर्नामेंट में महिला युगल स्पर्धा के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गई। गुरुवार को अमेरिका में टेक्सास के फोर्ट वर्थ कन्वेंशन सेंटर में खेले गये मुकाबले में त्रिशा-गायत्री की भारतीय जोड़ी ने एक गेम से पिछड़ने के बाद विश्व नंबर 83 सीह पेई शान और हंग एन-त्ज़ु को 16-21, 21-11, 21-19 से हराया।

भारतीय जोड़ी को 16 ऑफ राउंड के मुकाबले में अपने विरोधियों को हराने में 54 मिनट लगे। क्वार्टरफाइनल में त्रिशा-गायत्री का मुकाबला रुई हिरोकामी और जापान की युना काटो से होगा। वहीं प्रियांश राजावत भी चीनी ताइपे के हुआंग यू काई को हराकर पुरुष एकल स्पर्धा के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गए हैं। प्रियांश ने अपने प्रतिद्वंद्वी को 35 मिनट में 21-18, 21-16 से हराकर अंतिम आठ में प्रवेश किया। क्वार्टरफाइनल में प्रियांशु का मुकाबला चीन के लेई लान शी से होगा। इस बीच, भारत की मालविका बंसोड़ ने दूसरे दौर में चेक गणराज्य की टेरेज़ा स्वाबिकोवा को 15-21, 21-19, 21-14 से हराया।

रूपल चौधरी को एथलीट बनने के लिए करनी पड़ी थी भूख हड़ताल

अब पेरिस में दिखायेंगी दमखम

नई दिल्ली, 28 जून। उत्तर प्रदेश के मेरठ से आने वाली रूपल चौधरी ने पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। इस युवा एथलीट के लिए यहां तक का सफर तय करना आसान नहीं था। रूपल को एथलेटिक्स को करियर बनाने के लिए पिता के सामने भूख हड़ताल तक करनी पड़ी थी। पश्चिमी यूपी के मेरठ से लगभग 15 किलोमीटर दूर जैनपुर गांव में लड़कियां नहीं दौड़ती हैं।

स्पोर्ट्स स्टार से बातचीत में रूपल के पिता ओमवीर चौधरी ने कहा, 'हमारा एक पारंपरिक गांव है।' ओमवीर गन्ना किसान हैं। रूपल ने साल 2016 में एथलेटिक्स को करियर बनाने का फैसला लिया। रूपल ने नेशनल फेडरेशन कप में प्रिया मोहन जैसी खिलाड़ी को पछाड़कर खूब सुर्खियां बटोरीं। रूपल चौधरी ने कहा, 'मैंने रियो ओलंपिक 2016 में पीवी सिंधु और साक्षी मलिक को पदक जीतते हुए देखा। इसके बाद मैंने भी एथलीट बनने का फैसला लिया। मैं यह नहीं जानती थी कि इसके लिए मुझे क्या करना होगा, लेकिन मैंने ये फैसला लिया।'

मेरठ में एक ही स्टेडियम है। लेकिन ओमवीर बेटी को वहां ले जाने के लिए राजी नहीं थे। बकौल रूपल, ' पहले वह (पिता) मुझे स्टेडियम ले जाने के लिए राजी हो गए। लेकिन बाद में वह कोई ना कोई बहाना करके टालने लगे। उन्हें संभवत: ऐसा लगा कि बाद में मैं अपना फैसला बदल लूंगी।'

राजधानी

जे.डी.ए. के तत्कालीन सचिव सहित अन्य के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज करने के आदेश

जयपुर, (का.सं.)। अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट क्रम-2 महानगर, प्रथम ने जेडीए ट्रिब्यूनल के आदेश की अनदेखी व फर्जीवाडा करने से जुडे मामले में जेडीए के तत्कालीन सचिव उज्ज्वल राठौड, मुख्य प्रवर्तन अधिकारी रघुवीर सैनी, जोन 9 प्रवर्तन नियंत्रक धर्मसिंह व उप प्रवर्तन नियंत्रक राजेश शर्मा के खिलाफ गांधी नगर पुलिस थाने को एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए हैं। अदालत ने यह आदेश एचएस अडवानी के परिवाद पर दिए।

अदालत ने माना कि प्रथम दृष्टया आरोपियों ने जेडीए अपीलीय अधिकरण के आदेश की अवहेलना कर नए सिरे से दुर्गा कुमारी के अतिक्रमण को वैध घोषित करने के लिए कार्यालय टिप्पणियां तैयार की। इससे परिवादी के अधिकारों पर विपरीत प्रभाव पडने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

परिवाद में कहा कि उसे रेलवे मेन्स हाउसिंग को-ऑपरेटिव सोसायटी की आनन्द विहार योजना में भूखंड संख्या-14 का पट्टा 19 जून 1994 को जारी किया था। वहीं उसकी खातेदारी से बाकी रही 2 बीघा 7 बिस्वा जमीन को 0.83 हैक्टेयर बताते हुए दुर्गादेवी ने पट्टा

- **अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट क्रम-2 महानगर, प्रथम ने जेडीए ट्रिब्यूनल के आदेश की अनदेखी व फर्जीवाडा करने से जुड़े मामले में आदेश दिये**

मांगा। जबकि उसे 0.59 हैक्टेयर जमीन का ही पट्टा मिल सकता था, लेकिन दुर्गाकुमारी को गलत तरीके से पट्टा जारी करने का आदेश हो गया। इसके खिलाफ परिवादी ने जेडीए में शिकायत की, लेकिन उसकी शिकायत के बाद भी अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई।

वहीं जेडीए के अफसरों ने मिलीभगत कर एक फर्जी रिपोर्ट बनाई जिसमें अतिक्रमण नहीं होना बताया। इसके खिलाफ परिवाद दायर कर जेडीए के तत्कालीन अफसरों के खिलाफ मामला दर्ज करने का आग्रह किया। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने संबंधित अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए हैं।

72 घंटे पहले नोटिस दिए बिना होटल बिल्डिंग पर नहीं करें कार्रवाई : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने आदेश दिए हैं कि दिल्ली रोड पर स्थित कान्हा होटल पर कार्रवाई से 72 घंटे पहले नोटिस दिए बिना उसकी बिल्डिंग पर कोई कार्रवाई नहीं करे। जस्टिस अशोक जैन की अवकाशकालीन एकलपीठ ने यह आदेश कान्हा होटल्स की ओर से दायर याचिका में पेश प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि इस मामले में नियमित कोर्ट की ओर से विस्तृत सुनवाई की जरूरत है। ऐसे में यह उचित नहीं है कि अवकाशकालीन कोर्ट प्रकरण के किसी पहलू पर विचार करे। अदालत ने कहा कि समाचार पत्र मे प्रकाशित समाचार के आधार पर होटल की बिल्डिंग को तोडने की आशंका मात्र पर यह प्रार्थना पत्र दायर किया गया है।

केन्द्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल आरडी रस्तोगी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने वर्ष 2018 से वर्ष 2022 तक कूकस के पास पांच सितारा होटल का निर्माण कर उसे ताज होटल्स को लीज पर दे दिया। याचिकाकर्ता ने जेडीए से वर्ष 2011 में नक्शे पास कराए थे, लेकिन तय अवधि में निर्माण आरंभ नहीं किया गया। होटल नाहरगढ वन्य जीव अभ्यारण्य से सिर्फ 95 मीटर दूर है। जबकि इससे एक किमी में इस तरह की गतिविधि नहीं हो सकती। ऐसे निर्माण के लिए पर्यावरण स्वीकृति लेनी होती है, लेकिन याचिकाकर्ता ने स्वीकृति नहीं ली। याचिकाकर्ता ने गत वर्ष राष्ट्रीय वन्य जीव बोर्ड के स्वीकृति लेने के लिए प्रार्थना पत्र पेश किया। जिसे बोर्ड ने गत 22 फरवरी को खारिज कर दिया। इसके बाद गत दिनों ईको सेन्सेटिव जोन की मॉनिटरिंग कमेटी ने इसे तोडने के लिए जेडीए को लिखा। एएसजी ने कहा कि याचिकाकर्ता ने ऐसा आदेश पेश नहीं, जिससे साबित हो की जेडीए होटल तोडने जा रहा है और जेडीए का पक्षकार भी नहीं बनाया गया है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने होटल पर कार्रवाई से 72 घंटे पूर्व नोटिस देने को कहा है।

उपमुख्यमंत्री से वार्ता के बाद परिवहन निरीक्षक संघ की हड़ताल समाप्त

उपमुख्यमंत्री व परिवहन एवं सड़क सुरक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा से शुक्रवार को परिवहन निरीक्षक संघ ने मुलाक़ात की।

जयपुर। उपमुख्यमंत्री व परिवहन एवं सड़क सुरक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा से शुक्रवार को मुलाक़ात के बाद परिवहन निरीक्षक संघ की हड़ताल ख़त्म हुई। जिसके बाद सोमवार से परिवहन निरीक्षक काम पर लौट सकेंगे।

डॉ बैरवा ने अपने निवास पर परिवहन निरीक्षक संघ के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर वार्ता की जिसके परिणामस्वरूप निरीक्षक संघ ने हड़ताल ख़त्म करने का निर्णय लिया। उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार प्रदेश के हर एक कर्मचारी के हितों के प्रति संवेदनशील है। उन्होंने कहा कि विभाग के समस्त अधिकारी कर्मचारी उच्च मनोबल के साथ प्रदेश हित में कार्य करें। उन्होंने परिवहन निरीक्षक के साथ मारपीट मामले में सक्षम स्तर पर वार्ता कर दोषियों के ख़िलाफ़ कड़ी कार्यवाही का आश्वासन दिया ताकि भविष्य में इस तरह के कृत्यों की पुनरावृत्ति को रोका जा सकें।

उपमुख्यमंत्री ने संगठन के पदाधिकारियों से विभाग में निरीक्षकों की उच्च पदों पर पदौनिति के अवसरों की माँग पर भी सकारात्मक चर्चा की। उपमुख्यमंत्री ने सभी माँगो पर उचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। परिवहन निरीक्षक संघ ने उपमुख्यमंत्री की इस पहल और उनके सकारात्मक रूख के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए उनका आभार जताया।

इस मौके पर राजस्थान परिवहन संघ के अध्यक्ष राजेश चौधरी, महासचिव अनिल बसवाल सहित संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

स्पीकर वासुदेव देवनानी की लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सहित केन्द्रीय मंत्रियों से शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने सभी को उनके नए कार्यभार के लिए शुभकामनाएं दी। देवनानी लोकसभा अध्यक्षओम बिरला से संसद भवन में मिले। वहां उन्होंने बिरला को गुलदस्ता भेंट करते हुए लगातार दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष बनने पर बधाई दी।देवनानी ने कहा है कि बिरला का लोकसभा में लगातार दूसरी बार अध्यक्ष बनने पर राजस्थान प्रदेशवासियों का मान और गौरव बढा है। पूरे देश में राजस्थान प्रदेश के लिये यह सम्मानजनक है।

देवनानी ने केन्द्रीय सड़क व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, केंद्रीय पर्यटन व संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव और केंद्रीय कानून एवं न्याय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)अर्जुन राम मेघवाल से भेंट कर उन्हें बधाई दी। केन्द्रीय मंत्रीगण सेदेवनानी की यह शिष्टाचार भेंट थीं। देवनानी ने सभी को पुष्पगुच्छ और कालजयी भारतीय ज्ञान तथा विश्व गुरु भारत पुस्तकें भेंट कर उन्हें नए दायित्वों के उत्कृष्ट निर्वहन के लिए शुभकामनाएं दीं।

मतदान दिवस पर रहेगा सवैतनिक अवकाश

जयपुर। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा 30 जून को जयपुर जिले में पंचायतीराज संस्थाओं के रिक्त पदों के लिए उपचुनाव होंगें। जिला निर्वाचन अधिकारी, जयपुर ग्रामीण प्रकाश राजपुरोहित ने एक आदेश जारी कर पंचायतीराज संस्थाओं के उप चुनाव के लिये मतदान दिवस को संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में स्थित कार्यालयों में पराक्राम्य लिखित अधिनियम 1881 के तहत मतदान दिवस पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है।

मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव में जयपुर के 1276 अभ्यर्थी लेंगे भाग

जयपुर। मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव के तहत 29 जून को जयपुर के मानसरोवर स्थित टैगोर इंटरनेशनल स्कूल में राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा नवनियुक्त कार्मिकों से संवाद करेंगे। जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने राज्य स्तरीय मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव के सफल आयोजन के लिए अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रथम) सुरेश कुमार नवल को प्रभारी अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर (उत्तर) अल्का विश्नोई को सह प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया है। साथ ही जिला कलक्टर ने आवश्यक व्यवस्थाएं एवं इंतजाम सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय समारोह में जयपुर एवं जयपुर ग्रामीण के 1500 से ज्यादा नवनियुक्त कार्मिक शिरकत करेंगे। उन्होंने बताया कि जयपुर जिले में नियुक्ति पाने वाले 1276 एवं जयपुर ग्रामीण जिले में नियुक्ति प्राप्त करने वाले 230 सहित दोनों जिलों के 1506 नवनियुक्त कार्मिक राज्य स्तरीय समारोह के साक्षी बनेंगे।

येदियुरप्पा के खिलाफ नाबालिग से रेप मामले में चार्जशीट दाखिल हुई

बैंगलुरु, 28 जून। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा पर नाबालिग लड़की के यौन उत्पीड़न के आरोप लगे हैं। मामले की जांच कर रही सी.आई.डी. ने आरोपपत्र में कहा कि भाजपा नेता और 3 अन्य आरोपियों ने पीड़िता और उसकी मां को चुप रहने के लिए पैसे दिए थे।

81 वर्षीय येदियुरप्पा पर यौन

- चार्जशीट में नाबालिग से जबरदस्ती करने व पैसों का लालच देकर पीड़िता को चुप रहने एवं डराने धमकाने के आरोप लगाये गये हैं।

अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की धारा 8 (यौन उत्पीड़न के लिए सजा), भारतीय दंड संहिता की धारा (यौन उत्पीड़न), 204 (साक्ष्य के रूप में दस्तावेज या इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड को नष्ट करने) और 214 (अपराधी की जांच के बदले में उपहार की पेशकश) के तहत आरोप लगाए गए हैं।

दिल्ली एन.सी.आर. मानसून पूर्व बारिश में जलमग्न हुआ

भारी बारिश के कारण इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 पर पार्किंग की छत गिरने से 6 लोग घायल हुये

- सूत्रों के अनुसार टर्मिनल की छत गिरने से वहां खड़ी टैक्सियां व कारें इसकी चपेट में आ गईं तथा उनमें बैठे छः लोग घायल हो गये। राहत एवं बचाव कार्य चल रहा है।
- नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा कि, वे खुद हालात पर निगरानी रखे हुये हैं।
- दिल्ली एन.सी.आर. में गुरुवार को प्री मानसून बारिश शुरु हुई, रात भर बारिश होने से दिल्ली के अधिकांश इलाकों में पानी भर गया।

नई दिल्ली, 28 जून (वार्ता)। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में गुरुवार देर रात से हो रही बारिश के कारण इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के टर्मिनल-1 की छत गिर गई, जिसकी चपेट में कई टैक्सियां और कारें आ गईं और इनमें बैठे छह लोग घायल हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह घटना शुक्रवार को तड़के पांच बजे घटित हुयी। राहत एवं बचाव कार्य जारी है। दमकल सेवा के अधिकारियों ने बताया कि टर्मिनल-1 की छत की शीट के अलावा सपोर्ट बीम भी ढह गया है। इससे टर्मिनल के पिक-अप और ड्रॉप एरिया में खड़ी कारों को नुकसान पहुंचा। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हवाई अड्डा पर दमकल की तीन गाड़ियां मौजूद हैं।

नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू ने घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए एक्स पर लिखा, "मैं निजी तौर पर हालात पर नजर रख रहा हूं। सभी एयरलाइंस को टर्मिनल-1 पर प्रभावित यात्रियों की सहायता करने की सलाह दी गई है। घटनास्थल पर राहत एवं बचाव टीमें काम कर रही हैं। बचाव अभियान अभी भी जारी है।"

दिल्ली-एनसीआर में गुरुवार को मानसून पूर्व की पहली बारिश हुई। लगातार हो रही बारिश के कारण रातभर में दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में जलजमाव हो गया, जिसके कारण लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। राष्ट्रीय राजधानी में कुछ जगहों पर तीन से चार फीट तक पानी भर गया है। दिल्ली में मिंटो रोड पर भारी जलजमाव के बीच एक गाड़ी पूरी तरह डूब गई है। इसके अलावा के शांति पथ सहित विभिन्न इलाकों में सड़कों पर भारी जलभराव हो गया है।

मानसून ने गुरुवार (27 जून) को उत्तर भारत के तीन राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों में दस्तक दी। मानसून ने गुरुवार को उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और पंजाब के कुछ हिस्सों को कवर कर लिया। गौरतलब है कि दक्षिण-पश्चिमी मानसून 11 जून से ही पश्चिम बंगाल, बिहार और झारखंड में रुका हुआ था।

दिल्ली, हरियाणा और चंडीगढ़ में मानसून 27 से 30 जून तक एंट्री ले सकता है।

मानसून तीन जुलाई तक दिल्ली को पूरी तरह कवर कर लेगा। मौसम विभाग के अनुसार पांच से आठ जुलाई तक हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़ और राजस्थान पूरी तरह कवर हो जाएंगे।

'पशु ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रिटायरमैंट उम्र साठ साल से बढ़ाकर 62 साल की गई है तो फिर पशु चिकित्सकों को साठ साल की उम्र में ही क्यों रिटायर किया जा रहा है।

याचिका में बताया गया कि राज्य सरकार ने एम.बी.बी.एस. डॉक्टर्स की रिटायरमैंट आयु 60 साल से बढ़ाकर 62 साल कर दी है, लेकिन पशु चिकित्सकों की रिटायरमैंट आयु को नहीं बढ़ाया गया है और उन्हें 60 साल में ही रिटायर किया जा रहा है। जबकि केन्द्र व राज्य सरकार ने पशु चिकित्सकों को भी अपनी सेवाओं में हर तरह से समान रखा गया है। ऐसे में पशु चिकित्सकों की रिटायरमेंट आयु नहीं बढ़ाना गलत है।

'खड़गे के आचरण ने संसदीय मर्यादा को दाग लगा दिया है'

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा, मैं पीड़ित हूं और दुखी हूं कि नेता प्रतिपक्ष खुद वैल में आ गए, आज तक कभी ऐसा नहीं हुआ

- सदन की कार्यवाही के दौरान सभापति धनखड़ ने सदन में चल रहे हंगामे के दौरान बेहद नाराज़ लहजे में कहा कि, "आप तो एक प्रकार से नाच रहे हैं, क्या ऐसा होना चाहिए?"

नई दिल्ली, 28 जून। राज्यसभा में विपक्षी सदस्यों द्वारा नीट-यूजी परीक्षा के पेपर लीक मामले में सरकार को घेरते हुए हंगामा किए जाने के बीच सभापति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को कहा कि नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे स्वयं आसन के समक्ष आ गए जो पहले कभी नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि संसदीय इतिहास में आज का दिन दागी हो गया है। मैं पीड़ित हूं और दुखी हूं कि नेता प्रतिपक्ष खुद वेल में आ गए। आज तक कभी ऐसा नहीं हुआ।

सभापति ने यह टिप्पणी उस समय की जब विपक्ष के सदस्य राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को लेकर हो रही चर्चा के दौरान लगातार हंगामा कर रहे थे। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) से जुड़ी कथित अनियमितताओं, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की 'नाकामी' और पेपर लीक से जुड़े मुद्दों पर विपक्षी सदस्य आज सुबह सदन की कार्यवाही शुरू होने के बाद से ही चर्चा कराने की मांग पर हंगामा कर रहे थे।

हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही आरंभ होने के करीब आधे घंटे के भीतर दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। इसके बाद बैठक दोबारा शुरू होने पर भाजपा के सुधांशु त्रिवेदी ने राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा पर अपनी बात को आगे बढ़ाया।

त्रिवेदी के भाषण के बीच ही सदन के नेता जे पी नड्डा ने चर्चा में व्यवधान को लेकर विपक्षी सदस्यों पर निशाना साधा।

नड्डा की बात खत्म होते ही सभापति धनखड़ ने कहा, 'आज का दिन भारतीय संसद के इतिहास में इतना दागी हो गया है कि प्रतिपक्ष के नेता स्वयं आसन के समक्ष आए हैं।' उन्होंने कहा, 'ऐसा कभी नहीं हुआ है। मैं पीड़ित हूं। मैं अचंभित हूं। भारतीय संसदीय परंपरा इतनी गिर जाएगी कि प्रतिपक्ष के नेता आसन के समक्ष आएंगे, उप नेता (विपक्ष के) आसन के समक्ष आएंगे।' इसके बाद उन्होंने सदन की बैठक दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

इससे पहले सदन के नेता नड्डा ने राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को लेकर हो रही चर्चा में विपक्ष द्वारा उत्पन्न किए जा रहे व्यवधान की ओर संकेत करते हुए कहा कि बृहस्पतिवार को सदन की कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में यह तय हुआ था कि राष्ट्रपति अभिभाषण के धन्यवाद ज्ञापन पर चर्चा के लिए 21 घंटे आवंटित किए जाएं। उन्होंने बताया कि इस बैठक में कांग्रेस के उप नेता और तृणमूल कांग्रेस के नेता शामिल थे।

उन्होंने कहा कि यह अपने आप में रिकार्ड है क्योंकि इससे पहले इस चर्चा के लिए कभी 21 घंटे आवंटित नहीं किए गए। उन्होंने कहा कि बैठक में सहमति होने के बावजूद आज सबेरे कार्यस्थगन का प्रस्ताव लाया गया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष ने कहा कि ऐसा नहीं है कि पहले नीट का मुद्दा नहीं था। उन्होंने कहा कि नीट का मुद्दा कार्य मंत्रणा समिति में उठाया जा सकता था किंतु उनकी (विपक्षी नेताओं की) मंशा नहीं थी, उनकी मंशा सदन को बाधित करने की थी।

नड्डा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस इस बात को लेकर प्रतिबद्ध थी कि उसे चर्चा में भाग नहीं लेना है। उन्होंने कहा, 'वे पहले ही तय कर चुके थे, वे पहले से ही कृत संकल्पित थे इसलिए (चर्चा में भाग लेने वाले) वक्ताओं की सूची में किसी कांग्रेस नेता का नाम नहीं है। यह दर्शाता है कि वे चर्चा को लेकर गंभीर नहीं हैं।' उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव को लेकर होने वाली 21 घंटे की चर्चा के दौरान विपक्ष के पास इस बात का पूरा अवसर है कि वे नीट के मुद्दे को उठाकर अपनी पूरी बात रखें।

उन्होंने कहा कि सरकार उनका जवाब देने के लिए प्रतिबद्ध है और जवाब दिया भी जाएगा।

हंगामे के दौरान आसन के समक्ष आकर नारेबाजी कर रहे विपक्षी सदस्यों में से एक की ओर इशारा करते सभापति ने कहा, 'आप तो एक प्रकार से नाच रहे हैं। क्या ऐसा होना चाहिए?' उन्होंने तृणमूल कांग्रेस सदस्य एवं पत्रकार सागरिका घोष का नाम लेते हुए कहा, 'आप हर सप्ताह स्तंभ लिखती हैं, क्या आप जीवन भर यही चाहती थीं।'

शंघाई कॉरपोरेशन ऑर्गनाइजेशन की बैठक में शामिल नहीं होंगे प्र.मंत्री मोदी

कज़ाकस्तान में होने वाली इस बैठक में शामिल होने विदेश मंत्री एस. जयशंकर जायेंगे

- एस.सी.ओ. में भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान, कजाकस्तान, किर्गिस्तान, ताजीकिस्तान और उज्बेकिस्तान सदस्य हैं।

नई दिल्ली, 28 जून। कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में अगले सप्ताह होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एस.सी.ओ.) के शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नहीं जाएंगे। अब भारत का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री एस. जयशंकर करेंगे। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एससीओ शिखर सम्मेलन तीन और चार जुलाई को होगा और इस दौरान क्षेत्रीय सुरक्षा हालात और संपर्क एवं व्यापार को बढ़ावा देने के तरीकों पर मुख्य रूप से चर्चा होने की उम्मीद है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा, "एससीओ शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्री एस. जयशंकर करेंगे।" शिखर सम्मेलन में अफगानिस्तान में हालात, यूक्रेन में जारी युद्ध और एससीओ सदस्य देशों के बीच समग्र सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देने पर चर्चा होने की उम्मीद है।

एससीओ में भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजीकिस्तान और उज्बेकिस्तान सदस्य हैं। यह एक प्रभावशाली आर्थिक और सुरक्षा समूह है, जो सबसे बड़े अंतरक्षेत्रीय अंतरराष्ट्रीय संगठनों में से एक के तौर पर उभरा है। एससीओ शिखर सम्मेलन में आमतौर पर भारत की ओर से प्रधानमंत्री हिस्सा लेते हैं।

एससीओ शिखर सम्मेलन के मेजबान देश कजाखिस्तान के राष्ट्रपति कासिम जोमार्त तोकायेव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को टेलीफोन करके एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए अस्ताना आमंत्रित किया था। उन्होंने दुनिया में सबसे बड़ी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के सफल संचालन और ऐतिहासिक तौर पर तीसरी बार लगातार प्रधानमंत्री निर्वाचित होने पर मोदी को बधाई भी दी थी।

बारिश का पानी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को निकालने की कोई जगह नहीं बची है।" थरूर ने मजाकिया तरीके से ट्वीट में आगे कहा, "मैंने अपने संसद के साथियों को बताया कि मैं नाव के बिना वहां नहीं पहुंच पाऊंगा। लेकिन शहर में सड़कों से पानी निकालने में कामयाबी हासिल कर ली गई और मैं समय पर संसद पहुंच गया!"

दिल्ली में शुक्रवार की सुबह भारी बारिश के बीच कई इलाकों में जलभराव हो गया, इस दौरान शहर के मुख्य इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा होने के साथ यातायात बाधित हो गया। शहर के विभिन्न स्थानों से आ रहीं तस्वीरों के अनुसार कई इलाको में जल भराव से लंबा जाम लग गया है। इस दौरान विशेषकर कार्यालय समेत अपने कार्यस्थल जाने वाले लोगों समेत अन्य यात्रियों को अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ा।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन में जलमग्न सड़कों पर यात्रियों को अपने बच्चों को लेकर घुटनों तक पानी से होकर गुजरना पड़ा। कुछ इलाकों में मेट्रो स्टेशनों में भी पानी भर गया, जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। पुलिस के अनुसार जलभराव के कारण अणुव्रत मार्ग पर लाल बत्ती के दोनों ओर 100 मीटर और लाडो सराय लाल बत्ती से दोनों तरफ यातायात प्रभावित है। रिंग रोड पर धौला कुआं फ्लाईओवर के नीचे नारायणा से मोती बाग की ओर दोनों दिशाओं पर यातायात धीमा है। आजाद मार्केट अंडरपास में वीर बंदा बैरागी मार्ग पर यातायात प्रभावित है।

टैलिकॉम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पोर्टफोलियो को बदल दिया गया है।

जियो ने अपने प्लान्स की कीमतों में 27 परसेंट तक की बढ़ोतरी की है। इस मौके पर जियो के चेयरमैन, आकाश अंबानी ने कहा, नए प्लान्स की शुरुआत इंडस्ट्री इनोवेशन को आगे बढ़ाने और 5 जी और ए.आई. टैक्नोलॉजी में निवेश के जरिए विकास को आगे बढाने की दिशा में एक कदम है।

जियो ने अपनी प्रेस रिलीज में कहा, अनलिमिटेड 5जी सर्विस 2 जीबी और उससे ऊपर वाले सभी प्लान्स में मिलेगी। नए प्लान्स की कीमत 3 जुलाई 2024 से लागू होगी। इन्हें सभी टचपॉइंट और चैनल्स से एक्सेस किया जा सकेगा। जियो के साथ ही एयरटेल ने भी अपने रिचार्ज प्लान्स की कीमतों में इजाफा कर दिया है। कंपनी का कहना है कि भारत में एक बेहतर टेलीकॉम बिजनेस चलाने के लिए कंपनी का 300 ए.आर.पी.यू. रुपये से ऊपर होना चाहिए। यानी एवरेज रेवेन्यू पर यूजर, कंज्यूमर्स से होने वाली औसत कमाई है।

एयरटेल का कहना है कि, उन्होंने प्लान्स की कीमतों में बढ़तोतरी को कम से कम रखने की कोशिश की है. एंट्री लेवल प्लान्स की कीमतों में 70 पैसे प्रतिदिन से भी कम दर पर इजाफा किया गया है।

अंततोगत्वा 5 महीने बाद...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वरिष्ठ वकील अरुणाभ चौधरी ने मीडिया से कहा कि "कोर्ट ने माना है कि वे प्रथम दृष्टया इस अपराध में दोषी नहीं है और ऐसी भी कोई संभावना नहीं है कि याचिकाकर्ता जब जमानत पर होगा तो कोई अपराध करेगा।"

प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (जे.एम.एम.) के कार्यकारी अध्यक्ष सोरेन को 31 जनवरी को मनी लॉन्डरिंग केस से जुड़ी जाँच के दौरान उन्हें गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार के बाद से 48 वर्षीय राजनीतिज्ञ रांची की बिरसा मुण्डा जेल में बंद थे।

कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) का प्रतिनिधित्व कर रहे एस.वी. राजू ने यह कहते हुए सोरेन की जमानत याचिका पर आपत्ति प्रकट की थी कि सोरेन एक प्रभावशाली व्यक्ति है और वो पहले भी प्रदेश की सरकारी मशीनरी का प्रयोग करके स्वयं को बचाने की कोशिश कर चुके है। "यदि जमानत दी गई तो वे सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करके चल रही जाँच में बाधा उत्पन्न करने का प्रयास करेंगे।"

राजू ने अपनी दलील में कहा कि सोरेन की योजना झारखंड के बारगैन स्थान पर एक बैंक्वेट हॉल बनाने की थी और उनके भवन निर्माण वास्तुकार मित्र विनोद सिंह ने उनको मोबाइल के माध्यम से उसका नक्शा भेजना था। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि सर्वे के दौरान, सिंह ने बारगैन की उस भूमि को भी पहचाना था और अपने बयान में सिंह ने स्वीकार किया था कि उन्होंने मुख्यमंत्री के कार्यालय से निर्देश मिलने पर जमीन का विवरण उपलब्ध कराया था।

सुप्रीम कोर्ट के वकील कपिल सिब्बल एवं मिनाक्षी अरोड़ा ने भी सोरेन के केस की पैरवी की थी कहा कि मनी लॉन्डरिंग का कोई केस नहीं था बल्कि यह एक "राजनीतिक प्रतिशोध" था। यह केन्द्र सरकार के द्वारा ई.डी. का दुरुपयोग करते हुए एक दुर्भावनापूर्ण कार्यवाही है।"

झारखंड में विधानसभा के चुनाव इस वर्ष नवम्बर-दिसम्बर माह में हो सकते हैं और जे.एम.एम. चुनावी मैदान में इंडिया गठबंधन के एक सहयोगी दल के रूप में उतरेगी। सोरेन, जिन्हें जनता "पीड़ित" के तौर पर देख रही है, इससे जे.एम.एम. को "सहानुभूति" का लाभ मिलेगा।

एकलपट्टा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एकल पट्टों से जुड़े प्रकरणों की निष्पक्ष जांच कर राज्य सरकार को रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

विधानसभा चुनाव में स्टालिन का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सभी ने मुख्यमंत्री बनकर स्वयं को एक सफल प्रशासक एवं राजनेता सिद्ध किया। तमिलनाडू के पांच मुख्यमंत्रियों की फिल्म जगत से सम्बद्धता रही है और विजय भी अपना भाग्य आजमाने की कोशिश कर रहे हैं।

विजय, पिछले वर्ष के फरवरी माह में पहले ही "तमिलागा वेट्टरि कषगम" (टी.वी.के.) नामक एक राजनीतिक पार्टी का गठन कर चुके हैं और चेन्नई में आयोजित छात्रों के एक सार्वजनिक अभिनन्दन कार्यक्रम में उन्होंने अपनी पार्टी के अध्यक्ष के रूप में द्रमुक सरकार पर प्रहार करते हुए कहा कि "हमें अच्छे नेताओं की जरूरत है। नेताओं से मेरा तात्पर्य राजनीतिक नेताओं से नहीं है, बल्कि ऐसे व्यक्तियों से हैं जिनमें नेतृत्व के गुण हों।"

वास्तव में, उन्होंने यह कहा कि "ना केवल राजनीति बल्कि हर क्षेत्र में अच्छे नेताओं की जरूरत है, लेकिन फिल्मों के क्रेज़ी इस राज्य के लोग उनके इस बयान की व्याख्या चुनावी राजनीति में कूदने के एक अगले कदम के रूप में कर रहे है।"

उनकी एंट्री तमिलनाडू की राजनीति में निश्चित रूप से भूचाल लाएगी क्योंकि वे युवाओं में बेहद लोकप्रिय हैं और जाति एवं पंथ से परे उनको एक अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग है। युवाओं को उनके परामर्श कि वे राजनीति की एक करियर बनाने पर विचार करें, का उनके फैंस व सपोर्टर्स स्वागत कर रहे हैं।

उन्होंने छात्रों से कहा कि वे उन्हें प्राप्त होने वाली किसी भी जानकारी के प्रत्येक पहलू को क्रॉस चैक करें। उन्होंने छात्रों को सोशल मीडिया चैनल्स और मुख्यधारा के मीडिया को लेकर भी सतर्क किया। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे हर चीज़ देखें, किन्तु उचित सावधानी और तथ्यान्वेषण से यह विश्लेषण जरूर करें कि क्या सही है और क्या गलत। उन्होंने जनता की राय को आकार देने में सही जानकारी के महत्व पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि "तथ्यों और खबरों की जाँच से ही जनता यह समझ पाएगी कि देश वास्तव में किन मुद्दों से जुझ रहा है।"

अभिनय से राजनीति के क्षेत्र में कदम रखने जा रहे विजय ने तमिलनाडू की वर्तमान स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य की बढ़ती चिन्ता का विषय युवाओं में नशे की लत है।

विजय ने इस संबंध में किसी को भी संशय में नहीं रखा कि वे अब स्टालिन और उनके पुत्र उदयनिधि का मुकाबला करेंगे। उन्होंने कहा कि "वर्तमान में तमिलनाडू के युवा नशीले पदार्थों का सेवन करने लगे हैं और मैं भी एक राजनेता एवं अभिभावक के रूप में इससे भयभीत हूं। हम कह सकते हैं कि नशीले पदार्थों को नियंत्रित करना सरकार की जिम्मेदारी है, युवाओं का संरक्षण सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन वर्तमान सरकार ऐसा करने में विफल रही है।"

दो राजनैतिक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जाता है, उनकी सत्ता में बने रहने की रणनीति काफी सशक्त है। जब पिछली बार जे.डी.यू. की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक थी तब लल्लन सिंह को पार्टी के अध्यक्ष पद से हटा दिया गया था उसका प्रभार कुमार ने स्वयं ले लिया था।

उसके कुछ समय बाद ही कुमार ने इसी वर्ष जनवरी में एन.डी.ए. में पुनः शामिल होने की घोषणा की थी। यह संभव है और संभावना भी है कि कुमार कल होने वाली राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में कोई बड़ा राजनीतिक बयान दे सकते हैं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908